▪ आषाढ़ कृष्ण - 13 ▪ संवत 2081 ▪ वर्ष - 19 ▪ अंक - 336 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » गुरुवार » 04-07-2024 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 हाथरस की दुखद घटना का जिम्मेदार कौन : प्रियंका
6 हाथरस हादसे में मौतों की जवाबदेही तय हो
7 जयशंकर ने रूस के समक्ष भारतीय नागरिकों की सुरक्षा का मुद्दा उठाया

फर्स्ट टेक

केजरीवाल की न्यायिक हिरासत अवधि 12 तक बढ़ाई

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की एक अदालत ने बुधवार को कथित आबकारी नीति घोटाले से जुड़े धनशोधन मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की न्यायिक हिरासत अवधि 12 जुलाई तक बढ़ा दी। केजरीवाल वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा के समक्ष पेश हुए।

बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण रिकॉर्ड 445.43 लाख करोड़ के स्तर पर

नई दिल्ली। शेयर बाजार में बुधवार को आई तेजी के साथ बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 445.43 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित सेंसेक्स कारोबार की शुरुआत में पहली बार ऐतिहासिक 80,000 अंक के स्तर को पार कर गया। यह 632.85 अंकों की छलांग के साथ 80,074.30 के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया था। कारोबार के अंत में यह 545.35 अंक उछलकर 79,986.80 पर बंद हुआ। इस तेजी के साथ बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण (एमकैप) 4,45,43,642.29 करोड़ रुपये (5.33 लाख करोड़ डॉलर) के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया।

निर्वाचन आयोग ने चुनावी खर्च को लेकर इंजीनियर रशीद को भेजा नोटिस

श्रीनगर/भाषा। निर्वाचन आयोग ने नवनिर्वाचित सांसद शेख अब्दुल रशीद को जम्मू कश्मीर में बारामूला लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के लिए उनके चुनावी खर्च विवरण में अधिक विसंगति को लेकर एक नोटिस भेजा है। उन्हें इंजीनियर रशीद के नाम से भी जाना जाता है और आतंकवाद के वित्तपोषण के एक मामले में वह जेल में हैं। आयोग ने उनसे दो दिन के अंदर जवाब देने को कहा है। बारामूला के जिला उपनिर्वाचन अधिकारी ने रशीद द्वारा सौंपे गये चुनाव खर्च विवरण को रेखांकित करते हुए नोटिस जारी किया। रशीद ने विवरण में 2.10 लाख रुपये चुनावी खर्च होने का उल्लेख किया है, जबकि चुनाव पर्यवेक्षकों द्वारा आयोग को सौंपे गये रिकॉर्ड के अनुसार, 13.78 लाख रुपये खर्च किये गए थे। आतंकवाद के वित्तपोषण के आरोप में, 2019 में राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) द्वारा अपनी गिरफ्तारी के बाद से रशीद दिल्ली की तिहाड़ जेल में हैं। उन्हें पांच जुलाई को लोकसभा सदस्य के तौर पर शपथ लेने के लिए दो घंटे की पैरोल मिली है, जिस दौरान पुलिसकर्मी भी उनके साथ होंगे।

04-07-2024	05-07-2024
सूर्यास्त 6:50 बजे	सूर्योदय 5:58 बजे

BSE	NSE
79,986.80	24,286.50
(+545.34)	(+162.65)

सोना	चांदी
7,430 रु.	90,221 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

कानून का धर्म

धर्मों पंथों के विविध रूप,
जिनके मानक होते अनेक।
आस्था के अपने विविध रंग,
मर्यादा जिसकी रखे टेक।
आवश्यक इन पर विधि अंकुश,
जन खो सकते भ्रम में विवेक।
धर्मों के हैं अपने विधान,
पर संविधान का धर्म एक।।

मणिपुर पर प्रधानमंत्री का जवाब सुनने के पहले ही भाग खड़ा हुआ विपक्ष

मणिपुर में स्थिति सामान्य करने के लिए सरकार निरंतर प्रयासरत : प्रधानमंत्री मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि केंद्र सरकार मणिपुर में प्रदेश की सरकार के साथ मिलकर स्थिति को सामान्य करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने सभी से राजनीति से ऊपर उठकर वहां की स्थिति को सामान्य बनाने में सहयोग की अपील की और साथ ही 'आग में घी डालने' वालों को आगाह भी किया कि वे ऐसी हरकतें बंद करें। राज्यसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, मणिपुर की स्थिति सामान्य करने के लिए सरकार निरंतर प्रयासरत है। वहां जो कुछ भी घटनाएं घटी हैं, उनमें 11,000 से ज्यादा प्राथमिकी दर्ज की गई है। मणिपुर छोटा सा राज्य है फिर भी 11,000 प्राथमिकी...। वहां 500 से ज्यादा लोग गिरफ्तार हुए हैं। उन्होंने कहा, ''इस बात को भी हमें स्वीकार करना होगा कि मणिपुर में हिंसा की घटनाएं लगातार कम होती जा रही हैं। इसका मतलब शांति की आशा रखना... शांति पर भरोसा करना संभव हो रहा है।''

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज मणिपुर के अधिकतर हिस्सों में आम दिनों की तरह स्कूल, कॉलेज, कार्यालय और दूसरे संस्थान खुल रहे हैं। उन्होंने कहा कि जैसे देश के अन्य भागों में परीक्षाएं हुईं, वैसे ही मणिपुर में भी परीक्षाएं हुईं और बच्चों ने अपनी विकास यात्रा जारी रखी है। मोदी ने कहा, केंद्र और राज्य सरकार सभी से बातचीत करके शांति की खातिर सौहार्दपूर्ण रास्ता खोलने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। छोटी-छोटी इकाइयों को जोड़कर ताने-बाने को बनाना एक बहुत बड़ा काम है और यह शांतिपूर्ण तरीके से हो रहा है। उन्होंने कहा, वर्ष 1993 में मणिपुर में ऐसे ही, घटनाआ का क्रम चला था और इतना तीव्र और व्यापक चला था... वह पांच साल लगातार चला था...यह सारा इतिहास समझकर, हमें बहुत समझदारी पूर्वक स्थितियों को ठीक करने का प्रयास करना है। जो भी इसमें सहयोग देना चाहता है, हम सभी का सहयोग भी लेना चाहते हैं... हम सामान्य स्थिति को बरकरार रखने और शांति लाने के लिए भरपूर प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से अपील करते हुए कहा, हम सभी को राजनीति से ऊपर उठकर वहां की स्थिति को सामान्य बनाने में सहयोग करना चाहिए। यह हम सबका कर्तव्य है।

उन्होंने कहा, जो भी तत्व मणिपुर की आग में घी डालने की कोशिश कर रहे हैं मैं उन्हें आगाह करता हूं कि यह हरकतें बंद करें। एक समय आएगा जब मणिपुर ही उनको खारिज करेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि जो लोग मणिपुर का इतिहास जानते हैं, उनको पता है कि वहां सामाजिक संघर्ष का एक लंबा इतिहास रहा है और उस संघर्ष की मानसिकता की जड़ें बहुत गहरी हैं। उन्होंने कहा, इसको कोई नकार नहीं सकता है।

प्रधानमंत्री ने यह भी याद दिलाया कि कांग्रेस के शासनकाल में मणिपुर में 10 बार राष्ट्रपति शासन लगाना पड़ा था। उन्होंने कहा, इतने छोटे से राज्य में 10 बार राष्ट्रपति शासन लगाना पड़ा है... कुछ तो मुसीबतें होंगी। और यह हमारे कार्यकाल में नहीं हुआ है लेकिन फिर भी राजनीतिक फायदा उठाने के लिए वहां पर जिस प्रकार की हरकतें हो रही हैं...।

भ्रष्टाचारियों के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई करने की 'खुली छूट' दे रखी है एजेंसियों को : मोदी

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भ्रष्टाचार और कालाधन के खिलाफ और कड़ी कार्रवाई करने का संकल्प लेते हुए बुधवार को कहा कि सरकार ने जांच एजेंसियों को भ्रष्टाचारियों के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई करने की 'खुली छूट' दे रखी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि कार्रवाई में किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा।

उन्होंने आम आदमी पार्टी (आप) के खिलाफ पहले सबूतों के साथ गंभीर आरोप लगाने और बाद में साथ मिलकर लोकसभा चुनाव लड़ने व गठबंधन करने के लिए कांग्रेस पर भी निशाना साधा। राज्यसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव का जवाब देते हुए मोदी ने कहा, भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई हमारे लिए मिशन है। ये हमारे लिए चुनाव में हार-जीत का विषय नहीं है। हमने 2014 में जब सरकार बनाई थी तब हमने कहा था कि हमारी सरकार गरीबों के कल्याण के लिए काम करेगी। भ्रष्टाचार के खिलाफ कड़ा प्रहार करेगी और कालेधन पर वार करेगी।

विपक्ष ने किया बहिर्गमन

नई दिल्ली/भाषा। राज्यसभा में बुधवार को राष्ट्रपति के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर हुई चर्चा का जवाब दे रहे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भाषण के बीच में ही कांग्रेस सहित विपक्ष सदन से बहिर्गमन कर गया। प्रधानमंत्री जब चर्चा का जवाब दे रहे थे तो पहले विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने सभापति जगदीप धनखड़ से कुछ कहने की अनुमति मांगी। आसन की ओर से यह अनुमति नहीं दिये जाने पर विपक्षी सदस्य नारेबाजी करने लगे। उनकी नारेबाजी के बीच भी जब प्रधानमंत्री ने अपना भाषण जारी रखा तब खरगे सहित कांग्रेस एवं विपक्ष के सदस्य सदन से बहिर्गमन कर गये। विपक्षी सदस्य जब उच्च सदन की कार्यवाही का बहिष्कार कर जा रहे थे तब प्रधानमंत्री ने कहा, देश देख रहा है कि झूठ फैलाने वालों की सत्य सुनने की ताकत भी नहीं होती। ...जिनके हौसले नहीं हैं ...उन्होंने जो सवाल उठाये उसके जवाब सुनने की हिम्मत नहीं है।

चंपई सोरेन ने झारखंड के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दिया

हेमंत ने सरकार बनाने का दावा पेश किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। झारखंड के मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने बुधवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। इसके बाद झामुमो नेता हेमंत सोरेन ने राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन से मुलाकात कर सरकार बनाने का दावा पेश किया। इससे पहले, सत्तारूढ़ गठबंधन के नेताओं और विधायकों ने यहां चंपई सोरेन के आवास पर एक बैठक में सर्वसम्मति से हेमंत सोरेन को झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) विधायक दल का नेता चुना।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दिए

हाथरस भगदड़ मामले की न्यायिक जांच के आदेश

भगदड़ की घटना में जताई साजिश की आशंका

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हाथरस/भाषा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाथरस में एक सत्संग के बाद हुई भगदड़ की घटना में साजिश की आशंका जाहिर करते हुए इसकी न्यायिक जांच कराने का बुधवार को ऐलान किया। मुख्यमंत्री ने हाथरस में प्रेस वार्ता में कहा कि सिकन्दराराऊ में मंगलवार को विश्वहरि 'भोले बाबा' के सत्संग के बाद मची भगदड़ में 121 लोगों की मौत के मामले की उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अगुवाई में न्यायिक जांच करायी जाएगी तथा इसकी अधिसूचना आज ही जारी हो जाएगी। उन्होंने घटना में साजिश की तरफ इशारा करते हुए कहा, यह हादसा था या कोई साजिश और अगर साजिश थी तो इसमें किसका हाथ है...इन सभी पहलुओं को जानने के लिए हम न्यायिक जांच भी कराएंगे जो उच्च न्यायालय के सेवानिवृत न्यायाधीश की अध्यक्षता में की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इसमें प्रशासन और पुलिस के भी सेवानिवृत अधिकारियों को शामिल किया जाएगा ताकि इस घटना की तह में जाया जा सके और जो भी इसके लिए दोषी होगा उन्हें सजा दी जाएगी।

नीट के मुद्दे पर झूठ फैला रहे कांग्रेस और 'इंडि' गठबंधन : प्रधान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने बुधवार को विपक्ष पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि वह नीट के मुद्दे पर झूठ फैलाकर छात्रों को भ्रमित कर रहा है। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राज्यसभा में कहा कि सरकार छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ करने वालों को नहीं बख्शेगी। विपक्ष राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) और राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट) जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं में अनियमितताओं के आरोपों पर चर्चा की मांग कर रहा है।

प्रधान ने 'एक्स' पर लिखा, कांग्रेस का अतीत और वर्तमान मुद्दों पर देश के साथ चीट (धोखाधड़ी) करने का रहा है। नीट मामले में भी इनकी मंशा यही खुलकर आई है। झूठ और अफवाह के सहारे मुद्दों से भटकाकर अस्थिरता पैदा करने की इंडिया' गठबंधन की मंशा देश और छात्र विरोधी है। उन्होंने लिखा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राज्यसभा में अपने वक्तव्य के दौरान आज फिर देश के युवाओं को बताया है कि युवा शक्ति और उनका उज्ज्वल भविष्य सरकार की पहली प्राथमिकता है और यह सरकार देश के हर नौजवान विद्यार्थी के साथ है। किसी के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। प्रधान ने कहा, सरकार इसके लिए क़ानून लाकर कड़े कदम उठा रही है। देश को भरोसा है कि परीक्षा में गड़बड़ी करने वाला कोई दोषी बच नहीं पाएगा। अब कांग्रेस पार्टी और 'इंडि' गठबंधन को नीट के मुद्दे पर अपनी गुमराह करने वाली चीट पॉलिसी' बंद करनी चाहिए।

ज्ञानवापी मामला

वुजूखाने का सर्वेक्षण कराने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई नौ जुलाई को

प्रयागराज/भाषा। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने वाराणसी की ज्ञानवापी मस्जिद के भीतर वुजूखाने का एएसआई से सर्वेक्षण कराने से मना करने के वाराणसी के जिला न्यायाधीश के आदेश को चुनौती देने वाली पुनरीक्षण याचिका पर सुनवाई के लिए नौ जुलाई की तिथि बुधवार को तय की। इस मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल की अदालत कर रही है। बुधवार को जब इस मामले में सुनवाई शुरू हुई, तब अंजुमन इतेजामिया मसाजिद कमेटी की ओर से कोई वकील पेश नहीं हुआ और ना ही उनकी तरफ से कोई जवाब दाखिल किया गया।

सेना प्रमुख ने नियंत्रण रेखा पर अभियान संबंधी तैयारियों की समीक्षा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुंछ/जम्मू/भाषा। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने बुधवार को जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा स्थिति और नियंत्रण रेखा पर सैनिकों की अभियान संबंधी तैयारियों का जायज़ा लिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। तीस जून को 30वें सेना प्रमुख के तौर पर पदभार संभालने के बाद यह जम्मू क्षेत्र की उनकी पहली यात्रा है। अमरनाथ यात्रा और विशेषकर पहाड़ी जिलों समेत विभिन्न जगहों पर आतंकवाद रोधी अभियान के मद्देनजर उनकी यह यात्रा महत्वपूर्ण है। अधिकारियों ने बताया कि सेना प्रमुख सुबह जम्मू पहुंचे और नियंत्रण रेखा पर सुरक्षा स्थिति तथा अभियानगत तैयारियों की समीक्षा के लिए सीमावर्ती जिले पुंछ रवाना हो गए। सेना के अतिरिक्त लोक सूचना महानिदेशालय ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि सेना प्रमुख ने उत्तरी कमान के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल सुचिंद्र कुमार और जम्मू स्थित व्हाइट नाइट कोर के जनरल ऑफिसर कमांडिंग लेफ्टिनेंट जनरल नवीन सचदेवा के साथ पुंछ में फील्ड कमांडरों की एक बैठक की अध्यक्षता की और फिर अग्रिम इलाकों की हवाई समीक्षा की। अतिरिक्त लोक सूचना महानिदेशालय ने कहा, उन्हें जमीन पर मौजूद कमांडरों द्वारा अभियानगत तैयारियों के बारे में जानकारी दी गई। सेना प्रमुख ने कामकाज के उच्च मानकों को बनाए रखने के लिए सभी रैंकों की सराहना की और उन्हें सभी मौजूदा व उभरती सुरक्षा चुनौतियों का सामना करने को लेकर दृढ़ रहने के लिए प्रेरित किया।

मध्य प्रदेश सरकार ने पेश किया 3.65 लाख करोड़ रुपए का बजट, कोई नया कर नहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। मध्य प्रदेश सरकार ने बुधवार को विपक्षी सदस्यों के हंगामे के बीच वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 3.65 लाख करोड़ रुपये का बजट पेश किया जिसमें कोई भी नया कर नहीं लगाया गया है। राज्य के वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने विधानसभा में वित्त वर्ष 2024-25 का बजट पेश करते हुए इसे 'सर्वस्पर्शी' बताया। इसमें बुनियादी ढांचे के विकास और महिलाओं एवं आदिवासियों के लिए संचालित योजनाओं के लिए पर्याप्त आवंटन किया गया है।

हालांकि विधानसभा की कार्यवाही के दौरान विपक्षी दल कांग्रेस के सदस्यों ने नर्सिंग कॉलेज 'घोटाले' को लेकर पूर्व चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग के इस्तीफे की मांग की। उन्होंने सभी दलों के सदस्यों की एक समिति बनाने की मांग को लेकर भी हंगामा किया। इस शोरगुल के बीच देवड़ा ने कहा, वर्ष 2024-25 के बजट का लक्ष्य अगले पांच वर्षों में अर्थव्यवस्था के आकार को दोगुना करना है। इसके लिए सड़कों, सिंचाई, बिजली, गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाओं में पूंजी निवेश को बढ़ाना, रोजगार सृजन के लिए निवेश आकर्षित करना और बेहतर राजकाज को बढ़ावा देना शामिल है।

बजट में 3.65 लाख करोड़ रुपये के परिव्यय का प्रस्ताव किया गया है जो पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 16 प्रतिशत अधिक है। महिला एवं बाल विकास विभाग के लिए 26,560 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है जो पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 81 प्रतिशत अधिक है। बजट में पूंजीगत व्यय 15 प्रतिशत बढ़कर सकल राज्य घरेलू उत्पाद का 4.25 प्रतिशत हो जाने का अनुमान जताया गया है। वित्त मंत्री ने कहा कि चालू वित्त वर्ष में राजकोषीय घाटा जीएसडीपी का 4.11 प्रतिशत रहने का अनुमान है। बुनियादी ढांचे के लिए आवंटन 49,009 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 53,460 करोड़ रुपये, शहरी और ग्रामीण विकास के लिए 39,326 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 44,588 करोड़ रुपये, अनुसूचित जनजाति उप-योजना (40,804 करोड़ रुपये) और अनुसूचित जाति उप-योजना (27,900 करोड़ रुपये) किया गया है। मध्य प्रदेश सरकार की चर्चित 'लाडली बहना योजना' के लिए 18,984 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं जबकि सरकारी प्राथमिक विद्यालयों की स्थापना के लिए 15,509 करोड़ रुपये और मध्य विद्यालयों के लिए 9,258 करोड़ रुपये निर्धारित किए गए हैं। कृषि क्षेत्र का आवंटन पिछले वित्त वर्ष के 22,732 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 26,126 करोड़ रुपये कर दिया गया है।

बीआरएस के वरिष्ठ नेता रहे केशव राव की कांग्रेस में 'घर वापसी'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के करीबी और भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के वरिष्ठ नेता के. केशव राव बुधवार को कांग्रेस में शामिल हो गए।

वह पहले भी कांग्रेस में रह चुके हैं और लंबे समय बाद उन्होंने पार्टी में वापसी की है। कांग्रेस के अनुसार, पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की मौजूदगी में उन्होंने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। इस मौके पर कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल, तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के साथ ही पार्टी प्रदेश प्रभारी दीपा दासमुंशी भी मौजूद थीं।

खरगे ने राव का स्वागत करते हुए सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, उचित घर वापसी। हम वरिष्ठ नेता के. केशव राव जी का कांग्रेस पार्टी में स्वागत करते हैं। हमें विश्वास है कि सार्वजनिक सेवा में उनका लंबा अनुभव तेलंगाना में कांग्रेस पार्टी को मजबूत करेगा।'' राव ने हाल ही में बीआरएस से इस्तीफा दे दिया था और कांग्रेस में वापसी की इच्छा जताई थी। वह टीआरएस (अब बीआरएस) में शामिल होने से पहले कांग्रेस में ही थे। वह अविभाजित आंध्र प्रदेश में उस समय प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष थे जब वाईएस राजशेखर रेड्डी प्रदेश के मुख्यमंत्री होते थे। राव 2013 में बीआरएस में शामिल हुए और फिर 2014 में तेलंगाना में चंद्रशेखर राव मुख्यमंत्री बने। पार्टी के भीतर उनका कद बढ़ता चला गया और एक समय वह बीआरएस प्रमुख और उनके पुत्र केटी रामाराव के बाद तीसरे सबसे शक्तिशाली नेता माने जाते थे। वह राज्यसभा में बीआरएस के नेता भी थे।

काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में 11 जंगली जानवर डूबे

गुवाहाटी/भाषा। असम के काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में 11 जानवर बाढ़ के पानी में डूब गए जबकि 65 अन्य जानवरों को सुरक्षित बचा लिया गया। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। बाढ़ के पानी में डूबने वाले जानवरों में अधिकतर हॉग डियर हैं। हॉग डियर, हिरण की एक दुर्लभ प्रजाति है। राष्ट्रीय उद्यान के एक अधिकारी ने बताया कि 42 हॉग डियर, दो ऊदबिलाव, दो साम्भर और एक स्कॉप्स उल्लू को सुरक्षित बचा लिया गया।

उन्होंने बताया कि पूर्वी असम वन्यजीव प्रभाग में 233 वन विभाग शिविरों में से 173 पानी में डूब चुके हैं जबकि मंगलवार को यह संख्या 167 थी। सुरक्षा कर्मियों सहित वन विभाग के कर्मचारी वनस्पतियों और जीवों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए गश्त लगाने के लिए राष्ट्रीय उद्यान के अंदर शिविरों में रह रहे हैं। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को राष्ट्रीय उद्यान में स्थिति की समीक्षा की और अधिकारियों को पर्याप्त सावधानी बरतने का निर्देश दिया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वन्यजीवों को कोई नुकसान न पहुंचे। मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय राजमार्ग 715 पर वाहनों के आवागमन को नियंत्रित करने का भी निर्देश दिया है।

न्यायमूर्ति ए एम मुस्ताक होंगे केरल उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि। न्यायमूर्ति ए. मोहम्मद मुस्ताक को केरल उच्च न्यायालय का कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश बनाया गया है। केंद्र सरकार ने बुधवार को उन्हें पांच जुलाई से कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश के रूप में नियुक्त करने की अधिसूचना जारी की। अदालत के सूत्रों ने यह जानकारी दी है। सूत्रों ने बताया कि न्यायमूर्ति मुस्ताक चार जुलाई को मुख्य न्यायधीश ए. जे. देसाई के सेवानिवृत्त होने पर केरल उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश का पदभार संभालेंगे।

न्यायमूर्ति मुस्ताक वर्ष 1989 में अधिवक्ता के रूप में पंजीकृत हुए थे और उन्होंने कन्नूर में विभिन्न अदालतों और वैधानिक प्राधिकरणों में सात वर्ष तक वकालत की। उन्होंने 23 जनवरी 2014 को केरल उच्च न्यायालय के अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में शपथ ली। बाद में उन्हें 10 मार्च 2016 के प्रभाव से उच्च न्यायालय का स्थायी न्यायाधीश नियुक्त किया गया।

संचालन मानकों, जोखिम प्रबंधन को मजबूत बनाएं बैंक : दास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकान्त दास ने बुधवार को बैंकों से संचालन मानकों, जोखिम प्रबंधन गतिविधियों और अनुपालन संस्कृति को और मजबूत बनाने को कहा। दास ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों एवं चुनिंदा निजी बैंकों के प्रबंध निदेशकों (एमडी) और मुख्य कार्यपालक अधिकारियों (सीईओ) के साथ बैठकों में यह बात कही। आरबीआई के दायरे में आने वाली संस्थाओं के शीर्ष प्रबंधन के साथ निरंतर संपर्क रखने के रिजर्व बैंक की पहल के तहत ये बैठकें आयोजित हुईं। रिजर्व बैंक ने एक बयान में कहा कि गवर्नर ने अपने शुरुआती भाषण में बैंकों की परिसंपत्ति गुणवत्ता, ऋण प्रावधान, पूंजी पर्याप्तता और लाभप्रदता में निरंतर सुधार का उल्लेख किया।

आरबीआई ने कहा, बैंकिंग क्षेत्र में मजबूती को स्वीकार करते हुए दास ने बैंकों में कामकाजी मानदंड, जोखिम प्रबंधन की गतिविधियों और अनुपालन संस्कृति को और भी मजबूत करने की अहमियत पर बल दिया। बैठक में कर्ज एवं जमा वृद्धि के बीच फासला बने रहने, तरलता जोखिम प्रबंधन, संपत्ति एवं देनदारी प्रबंधन (एएलएम) से संबंधित मुद्दों और असुरक्षित खुदरा ऋण में रुझान के बारे में विस्तार से चर्चा की गई। दास ने बैंकों द्वारा मजबूत साइबर सुरक्षा नियंत्रण सुनिश्चित करने और तीसरे पक्ष के जोखिमों के प्रभावी प्रबंधन की जरूरत पर भी जोर दिया।

बयान के मुताबिक, आरबीआई गवर्नर ने बैंकों से अवैध लेनदेन के इरादे से खोले गए 'म्यूल' खातों पर लगाम लगाने और डिजिटल धोखाधड़ी को रोकने के लिए ग्राहक जागरूकता और शिक्षा पहल को तेज करने को कहा। इसके अलावा साइबर सुरक्षा, तीसरे पक्ष से जुड़े जोखिम और डिजिटल धोखाधड़ी, एमएसएमई को ऋण प्रवाह, सीमापार लेनदेन के लिए भारतीय रुपये का उपयोग बढ़ाने और रिजर्व बैंक की नवाचार पहलों में बैंकों की भागीदारी पर भी विस्तार से चर्चा की गई।

भारतीय रियल एस्टेट में जून तिमाही में संस्थागत निवेश 20% बढ़ा : कोलियर्स

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। गोदामों और आवासीय परियोजनाओं में अधिक निवेश आने से अप्रैल-जून तिमाही में भारतीय रियल एस्टेट क्षेत्र में संस्थागत निवेश सालाना आधार पर 20 प्रतिशत बढ़कर 2.52 अरब डॉलर हो गया। बुधवार को एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई।

रियल एस्टेट सलाहकार कोलियर्स इंडिया ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि इस साल अप्रैल-जून तिमाही में रियल एस्टेट में संस्थागत निवेश 252.85 करोड़ डॉलर रहा, जो एक साल पहले की समान अवधि के 210.64 करोड़ डॉलर से 20 प्रतिशत अधिक है। आंकड़ों के मुताबिक, आलोच्य अवधि में कार्यालय संपत्तियों में निवेश 190.02 करोड़ डॉलर से 83 प्रतिशत घटकर सिर्फ 32.96 करोड़ डॉलर रहा।

हालांकि, आवासीय क्षेत्र में संस्थागत निवेश 7.23 करोड़ डॉलर से कई गुना बढ़कर 54.35 करोड़ डॉलर हो गया। इस अवधि में औद्योगिक और गोदाम परियोजनाओं में संस्थागत निवेश भी एक साल पहले के 13.39 करोड़ डॉलर से 11 गुना बढ़कर 153.31 करोड़ डॉलर हो गया।

अप्रैल-जून अवधि में 81 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ विदेशी निवेशकों ने रियल एस्टेट निवेश को रफ्तार देने का काम किया। घरेलू निवेशकों ने भी इस तिमाही में 50 करोड़ डॉलर का निवेश किया जो एक साल पहले की अवधि से लगभग तीन गुना है। बीती तिमाही में बेंगलूरु और दिल्ली-एनसीआर के रियल एस्टेट ने कुल मिलाकर लगभग 23 प्रतिशत निवेश आकर्षित किया।

कोलियर्स इंडिया ने कहा, बेहतर गुणवत्ता वाली परिसंपत्तियों और विकसित आपूर्ति शृंखला मॉडल की बढ़ती मांग के बीच इस क्षेत्र में निवेशकों का विश्वास काफी बढ़ा है। स्वस्थ मांग के साथ वैश्विक और घरेलू निवेशक औद्योगिक एवं गोदाम परिसंपत्तियों के एकीकरण में प्रमुख भूमिका निभाने जा रहे हैं।

सरकारी अधिकारियों के काम में बाधा डालने के आरोप में बीआरएस विधायक के खिलाफ प्राथमिकी

करीमनगर। तेलंगाना के करीमनगर जिले में जिला कलेक्टर और अन्य सरकारी कर्मचारियों के कामकाज में बाधा डालने के आरोप में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के विधायक कौशिक रेड्डी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। हजूराबाद सीट से विधायक रेड्डी के खिलाफ एक जुलाई को लागू की गई भारतीय न्याय सहिंता (बीएनएस) के तहत मामला दर्ज किया है और वह संभवत: पहले जनप्रतिनिधि हैं, जिनके खिलाफ इस नए कानून के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि जिला परिषद आम सभा की बैठक के दौरान विरोध प्रदर्शन करने वाले रेड्डी ने जिला कलेक्टर पामेला सतपति और अन्य अधिकारियों के कामकाज में बाधा डाली।

पुलिस ने बताया, एक अधिकारी के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की मांग करते हुए बीआरएस विधायक जिला परिषद बैठक कक्ष में उस समय फर्श पर बैठ गए जब जिला कलेक्टर सम्मेलन कक्ष से जाने वाली थीं। पुलिस ने बताया कि कलेक्टर ने विधायक से कहा कि वह (अधिकारी के खिलाफ) आरोपों की जांच करेंगी, लेकिन रेड्डी ने कलेक्टर के जवाब से असंतुष्ट होकर उन्हें ड्यूटी करने से रोक दिया। जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्रीनिवास की शिकायत पर बीआरएस विधायक के खिलाफ मंगलवार को बीएनएस की धारा 221 (लोक सेवक के काम में बाधा डालना) और 126(2) (गलत तरीके से रोकना) के तहत मामला दर्ज किया गया।

असम में बाढ़ की वजह भौगोलिक कारक हैं, जिन पर राज्य का नहीं है कोई नियंत्रण : हिमंत बिश्व शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिश्व शर्मा ने बुधवार को बाढ़ की स्थिति के लिए भौगोलिक कारकों को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि इन पर राज्य का कोई नियंत्रण नहीं है। कामरूप जिले में बाढ़ की स्थिति की समीक्षा करने के बाद उन्होंने संवाददाताओं से कहा,राज्य में बाढ़ की दूसरी भीषण लहर की मुख्य वजह पड़ोसी राज्य अरूणाचल प्रदेश में बादल का फटना है। उन्होंने कहा कि चीन, भूटान और अरूणाचल प्रदेश के ऊंचे इलाकों में भारी वर्षा के कारण असम में बाढ़ आयी है और यह हमारे नियंत्रण के 'बाहर' है।

शर्मा ने कहा कि 'इन सालों में बाढ़ नियंत्रण के कई कदम उठाये गये हैं तथा (बाढ़ का) प्रभाव एवं लोगों की परेशानियां भी काफी कम हुई हैं लेकिन हमें हरसंभव तरीके से प्राकृतिक परिणामों से निपटना है।' मुख्यमंत्री ने गराल भट्टपारा गांवबुराह घाट पर स्थिति की समीक्षा की तथा खना नदी पर धारपुर जंगारबाड़ी गेट का मुआयना भी किया। उन्होंने लोगों को क्षतिग्रस्त तटबंधों और सड़कों की मरम्मत कराने तथा राहत शिविरों में ठहरे लोगों को खाने-पीने की चीजें एवं दवाइयां उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। शर्मा बाढ़ के पानी में डूबे क्षेत्रों में 'लाइफ जैकेट' पहने एक रबर बोट में अधिकारियों के साथ घूमते नजर आये। मुख्यमंत्री ने कहा कि वह बृहस्पतिवार को माजुली जायेंगे जहां तटबंध टूट गया है और काफी बड़ा क्षेत्र पानी में डूब गया है।

उन्होंने कहा, हम यह सुनिश्चित करने के लिए रात-दिन लगे हैं कि तटबंध और कहीं न टूटे। उन्होंने कहा कि कई प्रभावित जिलों में वर्षा में कमी आयी है और यदि ऐसा ही रूझान जारी रहा तो स्थिति एक सप्ताह में सुधरने की उम्मीद है।'

शर्मा ने कहा, ''लेकिन यदि जलग्रहण क्षेत्रों में निरंतर वर्षा होती रही तो स्थिति गंभीर बनी रहेगी और फिर हमें उस हिसाब से उससे निपटना होगा।''

उन्होंने कहा कि राज्य के लोगों की सबसे बड़ी ताकत उनका 'धैर्य' है तथा यह वैसे समय में नजर आता है जब बाढ़ से उत्पन्न चुनौतियों से हम सामूहिक रूप से निपटने को ठान लेते हैं। मुख्यमंत्री ने मंगलवार को ऊपरी असम के गोलाघाट जिले और काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में बाढ़ की स्थिति की समीक्षा की थी।

शिवसेना विधायक ने 'ड्रेस कोड' लागू करने के लिए मुंबई के कॉलेज के खिलाफ कार्रवाई की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। शिवसेना विधायक प्रताप सरनाईक ने छात्रों को जींस और टी-शर्ट'' पहनने से रोकने के लिए मुंबई के एक कॉलेज के खिलाफ कार्रवाई करने की बुधवार को मांग की। चेम्बूर ट्रॉम्बे एजुकेशन सोसाइटी के एन. जी. आचार्य एंड डी के मराठे कॉलेज ने 27 जून को एक नोटिस जारी कर छात्रों के फटी हुई जींस, टी-शर्ट, गरिमाहीन' कपड़े तथा जर्सी या कोई ऐसी पोशाक पहनने पर रोक लगा दी, जो धर्म को प्रकट करती हो या सांस्कृतिक असमानता दर्शाती हो। इसमें कहा गया है कि छात्रों को कॉलेज परिसर में शालीन कपड़े पहनने चाहिए। सरनाईक ने विधानसभा में कहा कि कॉलेज द्वारा जारी नोटिस एक ''तालिबानी फतवा'' है। उन्होंने कहा कि 70-80 फीसदी से अधिक छात्र जींस और जैकेट पहनते हैं।

शिवसेना विधायक ने पूछा, क्या आप तैराकी प्रतिस्पर्धा के लिए स्विमिंग सूट' और खेल प्रतियोगिताओं के लिए टी-शर्ट, छोटे कपड़ों (शॉर्ट्स) पर प्रतिबंध लगाएंगे। सरनाईक ने कहा कि शिक्षा मंत्री को तालिबानी फतवे के लिए कॉलेज प्राधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए।

पुतला स्वाहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

पटना में बुधवार को भाजपा कार्यकर्ताओं ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की भाजपा पर की गई टिप्पणी 'आप हिंदू नहीं हैं' के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान पुतला जलाया।

जीएसटी परिषद के संशोधनों को वित्त विधेयक में शामिल किया जाएगा : सीबीआईसी प्रमुख

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा-शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के चेयरमैन संजय कुमार अग्रवाल ने बुधवार को कहा कि पिछले महीने जीएसटी परिषद की बैठक में लिए गए निर्णयों को इस महीने के अंत में बजट के साथ संसद में पेश किए जाने वाले वित्त विधेयक में जगह दी जाएगी। अग्रवाल ने माल एवं सेवा कर (जीएसटी) पर एनएसीआईएन-भोपाल के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि जीएसटी परिषद की 53वीं बैठक में कुछ वस्तुओं और सेवाओं पर दर को युक्तिसंगत बनाने का प्रस्ताव रखा गया था, जबकि कुछ मामलों में स्पष्टीकरण जारी किए गए हैं।

अग्रवाल ने कहा, जीएसटी प्रणाली लागू होते समय पैदा हुए विवादों के समाधान और निपटान के लिए छोटे कारोबारों के सामने आने वाली चुनौतियों के संदर्भ में कई निर्णय लिए गए हैं। इन्हें वित्त विधेयक का हिस्सा बनाया जा सकता है ताकि जीएसटी अधिनियम में जरूरी बदलाव किए जा सकें। वित्त वर्ष 2024-25 के लिए पूर्ण बजट इस महीने लोकसभा में पेश किया जाना है। बजट में प्रस्तावित प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष करों में बदलावों को विस्तार से शामिल करते हुए बजटीय प्रक्रिया के हिस्से के रूप में वित्त विधेयक, 2024 पेश किया जाएगा।

केंद्र और राज्यों के वित्त मंत्रियों वाली जीएसटी परिषद की बैठक 22 जून को हुई थी। परिषद ने केंद्रीय जीएसटी (सीजीएसटी) अधिनियम में एक नई धारा 11ए जोड़ने के लिए कानून में संशोधन को मंजूरी दी थी, ताकि सरकार को जीएसटी की वसूली नहीं होने या कम वसूली को नियमित करने की शक्ति दी जा सके। जीएसटी परिषद ने सीजीएसटी अधिनियम, 2017 की धारा 112 में संशोधन की भी सिफारिश की, ताकि अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष अपील दायर करने के लिए तीन महीने की अवधि की अनुमति दी जा सके। इससे करदाताओं को लंबित मामलों में अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष अपील करने के लिए पर्याप्त समय मिल सकेगा।

करदाताओं के अनुकूल कदम उठाते हुए जीएसटी परिषद ने 2017-18, 2018-19 और 2019-20 के लिए सीजीएसटी अधिनियम की धारा 73 के तहत जारी नोटिस के लिए ब्याज और जुर्माना माफ करने का भी फैसला किया, बशर्ते मांगे गए पूरे कर का भुगतान 31 मार्च, 2025 तक कर दिया जाए।

रेलवे स्टेशन पर गुणवत्तापूर्ण वाई-फाई सुविधाएं बहाल करें : रेलवे बोर्ड

नई दिल्ली/भाषा। कई रेलवे स्टेशन पर वाई-फाई सुविधाओं के काम न करने पर कड़ा संज्ञान लेते हुए रेलवे बोर्ड ने अपने सभी 17 मंडलों के महाप्रबंधकों (सिग्नल और दूरसंचार) को पत्र लिखकर गुणवत्तापूर्ण सेवाएं बहाल करने के लिए तत्काल कदम उठाने को कहा है। बोर्ड के अनुसार देश के 7,000 से अधिक रेलवे स्टेशन में से 6,108 पर वाई-फाई की सुविधा है, जिसका यात्री मुफ्त में उपयोग कर सकते हैं। बोर्ड ने रेलवे मंडलों को बताया है कि विभिन्न कारणों से कई स्टेशन पर यह सुविधा उपलब्ध नहीं है।

रेलवे बोर्ड ने सभी मंडलों के महाप्रबंधकों (सिग्नल और दूरसंचार) को लिखे पत्र में कहा, भारतीय रेलवे के 6,108 स्टेशन पर वाई-फाई सुविधा उपलब्ध कराई गई है। हालांकि, यह संज्ञान में आया है कि कई स्टेशन पर वाई-फाई विभिन्न कारणों से काम नहीं कर रहा है। इससे यात्रियों को असुविधा होती है। पत्र में कहा गया, इन सभी रेलवे स्टेशन पर वाई-फाई सुविधाओं की बहाली के लिए तत्काल आवश्यक कदम उठाने की सलाह दी जाती है।

लाभांश का चेक

कर्नाटक राज्य खनिज निगम की ओर से 10 करोड़ रुपए के लाभांश का चेक बागवानी, खान एवं भूतत्व मंत्री एसएस मल्लिकार्जुन ने मुख्यमंत्री सिद्दरामैया को भेंट किया।

मुख्यमंत्री आवास के घेराव का प्रयास कर रहे भाजपा नेताओं को हिरासत में लिया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं ने राज्य की कांग्रेस सरकार पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए बुधवार को यहां मुख्यमंत्री के कार्यालय एवं आवास का घेराव करने का प्रयास किया लेकिन उन्हें रोक दिया गया और एहतियातन हिरासत में ले लिया गया। भाजपा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा, कर्नाटक विधानसभा में विपक्ष के नेता आर अशोक, पूर्व मंत्री एस. सुनील कुमार, अरागा ज्ञानेंद्र, एस. सुरेश कुमार, सी एन अश्वथ नारायण तथा सी टी रवि समेत अन्य नेताओं के साथ कई विधायक तथा बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता थे। भारी पुलिस बल तैनात होने के कारण भाजपा कार्यकर्ता अपने गंतव्य तक नहीं पहुंच पाए और उन्हें एहतियातन हिरासत में ले लिया गया।

पार्टी का आरोप है कि मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) में करीब 4,000 करोड़ रुपये का घोटाला हुआ जिनमें से एक लाभार्थी मुख्यमंत्री सिद्दरमैया की पत्नी पार्वती हैं। भाजपा ने यह भी आरोप लगाया कि 180 करोड़ रुपये के महर्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम घोटाले को छिपाने की कोशिश की गई जिसके कारण एक लेखा अधीक्षक पी. चंद्रशेखरन ने आत्महत्या कर ली। विजयेंद्र ने खुद को एहतियातन हिरासत में लिए जाने से पहले पत्रकारों से कहा, कांग्रेस सरकार में भ्रष्टाचार जारी है। मुख्यमंत्री के गृह जिले मैसूरु का एमयूडीए घोटाला वाल्मीकि निगम में हुए घोटाले से कहीं बड़ा है।

अशोक ने मांग की कि सरकार को एमयूडीए घोटाले की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को सौंपनी चाहिए। उन्होंने यह भी मांग की कि मुख्यमंत्री को अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए।

मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने मामले की सीबीआई जांच की भाजपा की मांग को खारिज करते हुए कहा कि आरोप निराधार हैं। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, मैंने पहले ही जांच का आदेश दे दिया है। भाजपा को ऐसी मांग करने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। वे हमसे यह मामला सीबीआई को सौंपने के लिए क्यों कह रहे हैं, जबकि उन्होंने राज्य में अपने कार्यकाल के दौरान एक भी मामला जांच एजेंसी को नहीं सौंपा था। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी पत्नी को राज्य में पिछली भाजपा सरकार द्वारा शुरू की गई एक योजना के तहत वैकल्पिक भूखंड मिले थे। सिद्दरामैया ने कहा, भाजपा नेता आरोप लगा रहे हैं कि भूमि खोने वालों को 50 प्रतिशत विकसित भूमि देने की नीति का दुरुपयोग किया गया है। यह देखने के लिए कि क्या कोई दुरुपयोग हुआ है या नहीं, हमने जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने संवाददाताओं से यह भी कहा कि एमयूडीए द्वारा (वैकल्पिक भूखंडों के रूप में) भूखंड आवंटन को निलंबित कर दिया गया है।

मुख्यमंत्री ने अधूरे आवासों का काम प्राथमिकता से पूरा करने का दिया निर्देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत शुरू हो चुके घरों का काम प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने बुधवार को कृष्णा में आवास विभाग की विभिन्न परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की।

प्रधानमंत्री आवास योजना

मुख्यमंत्री ने कहा कि सीवेज रिमूवल बोर्ड के तहत 82 हजार घर, राजीव गांधी हाउसिंग कॉरपोरेशन के तहत 47800 घर कुल 1.30 लाख घर निर्माण के विभिन्न चरणों में हैं और इनका निर्माण कार्य चरणबद्ध तरीके से पूरा करने को प्राथमिकता दी गई है। प्रत्येक घर के निर्माण की इकाई लागत 6 से 7.5 लाख रुपये है, केंद्र और राज्य सरकार की सब्सिडी के अलावा, शेष लगभग 4 से 5 लाख रुपये की राशि लाभार्थियों को वहन करनी होती है।

मकानों का निर्माण रोक दिया गया क्योंकि झुग्गीवासियों के लिए यह राशि देना मुश्किल था जो आर्थिक रूप से इस राशि का भुगतान करने में सक्षम थे। इसलिए, लाभार्थियों पर कर का बोझ घटाकर 4 लाख रुपये प्रति लाभार्थी करने और रुपये का भुगतान करने को मंजूरी दी गई है। 500 करोड़ रुपये स्वीकृत किये गये हैं। उन्होंने अतिरिक्त अनुदान के लिये वित्त विभाग से चर्चा कर कार्यवाही करने के निर्देश दिये। कर्नाटक हाउसिंग बोर्ड द्वारा अधिग्रहीत जमीन पर तेजी से काम किया जाएगा। लेकिन यदि भूमि का अधिग्रहण 50:50 वितरण के आधार पर किया जाता है, तो किसानों को पुनर्वितरित की जाने वाली भूमि के रूपांतरण में देरी होती है, उन्होंने इस संबंध में पंजीकरण और मुद्रांक, राजस्व और ग्रामीण विकास विभाग से चर्चा करने और निर्णय लेने का सुझाव दिया।

इस मौके पर आवास मंत्री जमीर अहमद खान, कर्नाटक हाउसिंग बोर्ड के अध्यक्ष शिवालिंगे गौड़ा, कर्नाटक स्लम विकास बोर्ड के अध्यक्ष प्रसाद अभय, मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव नसीर अहमद, मुख्यमंत्री के उप मुख्य सचिव एल. क। अतीक, आवास विभाग के सचिव नवीन राज सिंह, वित्त विभाग के सचिव एम.टी. बैठक में राजू, उप सचिव इकराम शरीफ और अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

स्वागत

बेंगलूरु में बुधवार को अरुणाचल प्रदेश के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल कैवल्य त्रिविक्रम परनायक ने राजभवन में कर्नाटक के राज्यपाल थावर चंद गहलोत से मुलाकात की। गहलोत ने उनका स्वागत किया।

कंगना को थप्पड़ मारने वाली सीआईएसएफ कांस्टेबल को कर्नाटक भेजा गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली/भाषा। पिछले महीने चंडीगढ़ हवाई अड्डे पर अभिनेत्री एवं भाजपा सांसद कंगना रनौत को कथित रूप से थप्पड़ मारने वाली सीआईएसएफ कांस्टेबल कुलविंदर कौर को अनुशासनात्मक जांच जारी रहने तक बेंगलुरु में एक इकाई में भेज दिया गया है। आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी। छह जून को जब नवनिर्वाचित सांसद रनौत दिल्ली जा रही थीं तब उनके साथ यह घटना घटी। उसके शीघ्र बाद केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) ने कौर को निलंबित कर दिया था। सीआईएसएफ की शिकायत पर कौर के खिलाफ एक प्राथमिकी भी दर्ज की गयी थी। सूत्रों ने बताया कि कौर निलंबित हैं और अनुशासनात्मक जांच जारी रहने तक उन्हें कर्नाटक की राजधानी बेंगलूरु स्थित 10वीं रिजर्व बटालियन में तैनात किया गया है।

उन्होंने बताया कि इस घटना की जांच की निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए उन्हें इस इकाई में भेजा गया है। सूत्रों के अनुसार वरिष्ठ कमांडेंट स्तर के एक अधिकारी इस घटना की जांच कर रहे हैं तथा कांस्टेबल, उस दिन हवाई अड्डे पर पर मौजूद उनके सहयोगियों, पाली प्रभारी और कुछ एयरलाइन अधिकारियों के बयान दर्ज किये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जांच में कुछ वक्त लगेगा जिसके बाद उपयुक्त निर्णय लिया जाएगा। कौर पंजाब की कपूरथला जिले की

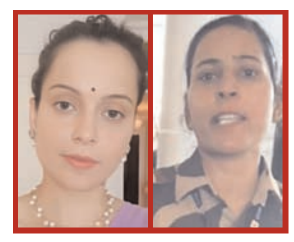

रहने वाली हैं और वह 2009 में सीआईएसएफ में शामिल हुई थीं। वह 2021 से चंडीगढ़ हवाई अड्डे पर सीआईएसएफ के विमानन सुरक्षा समूह में हैं।

सीआईएसएफ में रहते हुए अभी तक उनके खिलाफ कोई सतर्कता जांच नहीं हुई है और न ही उन्हें कोई सजा मिली है। उनके पति भी चंडीगढ़ हवाई अड्डे पर तैनात थे। कौर देश में हुए किसान आंदोलन पर रनौत के रूख को लेकर संभवत: उनसे नाराज थीं। रनौत (38) हिमाचल प्रदेश की मंडी सीट से लोकसभा सदस्य निर्वाचित हुई हैं।

सूरज रेवन्ना को 18 तक न्यायिक हिरासत में भेजा

बेंगलूरु/भाषा। बेंगलूरु की एक अदालत ने बुधवार को दो पुरुषों के यौन उत्पीड़न के आरोपी व जनता दल (सेक्यूलर) के विधान परिषद सदस्य सूरज रेवन्ना को 18 जुलाई तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। बेंगलूरु के 42वें अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट ने एक जुलाई को सूरज रेवन्ना को आज यानी तीन जुलाई तक अपराध अन्वेषण विभाग (सीआईडी) की हिरासत में भेजा था जिसे अब बढ़ा दिया गया है। सीआईडी उनके खिलाफ मामलों की जांच कर रही है। सीआईडी ने पिछले सप्ताह सूरज रेवन्ना की मेडिकल जांच कराई थी। उनके डीएनए नमूने भी लिए गए और उनका पौरूष परीक्षण भी कराया गया। रेवन्ना को 23 जून को गिरफ्तार किया गया था।

सीआईडी ने दो पीड़ितों के डीएनए नमूने भी एकत्रित किए हैं जिन्होंने आरोप लगाया है कि विधान परिषद सदस्य ने उनका यौन उत्पीड़न किया था। पहले मामले में हासन जिले के एक युवक ने आरोप लगाया है कि रेवन्ना ने घन्नीकाडा स्थित फार्महाउस में 16 जून को उसका यौन उत्पीड़न किया था तथा उसे जान से मारने की धमकी दी थी। दूसरे मामले में शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि 36 वर्षीय रेवन्ना ने तीन साल पहले कोविड-19 महामारी के दौरान उसका यौन उत्पीड़न किया था।

पुलिस ने सूरज रेवन्ना के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा-377 (कुकर्म), धारा-342 (अवैध रूप से बंधक बनाना), धारा-506 (आपराधिक धमकी) और धारा- 34 (समान मंशा से कई लोगों द्वारा किया गया कृत्य) के तहत प्राथमिकी दर्ज की है। वह जद(एस) के पूर्व सांसद प्रज्ज्वल रेवन्ना के बड़े भाई हैं। प्रज्ज्वल भी यौन उत्पीड़न के आरोपों का सामना कर रहे हैं।

नशे में छात्र ने की सुरक्षाकर्मी की हत्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अमृताहल्ली पुलिस थाना क्षेत्र में एक छात्र ने शराब के नशे में सुरक्षा कर्मी पर हमला कर उसकी हत्या कर दी। जानकारी के अनुसार बुधवार को दोपहर में अमृताहल्ली के सिंधी कॉलेज में एक कार्यक्रम चल रहा था। उस समय एक कॉलेज का विद्यार्थी भार्गव (22) जो सेकेन्ड डिग्री की कक्षा में है शराब के नशे में वहां पहुंचा। बिहार मूल का यह विद्यार्थी कार्यक्रम में जाने के लिए जिद्द करने लगा। सुरक्षा कर्मी राजकिशोर राय (52) ने उसे कार्यक्रम में शराब के नशे में जाने से मना किया। गुस्से में भार्गव ने चाकू से राजकिशोर पर हमला कर दिया।

बुरी तरह घायल हुए राजकिशोर को अस्पताल ले जाते समय मौत हो गई। हमले के समय अन्य छात्रों ने भार्गव को पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। भार्गव को मेडीकल जांच के लिए भेजा गया है।

युवक की हत्या

बेंगलूरु। अज्ञात लोगों ने पुलकेशीनगर में एक व्यक्ति पर जानलेवा हमला कर उसकी हत्या कर दी। जानकारी के अनुसार अजीत (25) जो कि एक कम्पनी में काम कर रहा था। बुधवार को अपनी नाइट ड्यूटी खत्म कर घर जा रहा था। कॉक्स टाउन स्थित अपने घर जाते समय अजीत पर रास्ते में इंतजार कर रहे गैंग ने जानलेवा हमला कर दिया और वहां से फरार हो गए। हमले से बुरी तरह घायल अजीत की अस्पताल ले जाते समय मौत हो गई।

किसान सम्मेलन

बुधवार को बेंगलूरु में किसान नेता राकेश टिकायत के नेृत्व में किसानों ने मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने मुलाकात की और उनसे 2025 में बेंगलूरु में भोजन और खाद्य संप्रभुता के अधिकार पर आयोजित होने वाले अंतर्राष्ट्रीय किसान सम्मेलन का उद्घाटन करने का अनुरोध किया। यह सम्मेलन भारत में, विशेषकर कर्नाटक में आयोजित होने वाला तीसरा सम्मेलन है। ये सम्मेलन अतीत में यूरोप और अमेरिका में बड़ी सफलता के साथ आयोजित किये जा चुके हैं।प्रतिनिधिमंडल में किसान नेता चुक्की नंजुंदास्वामी, दलित संगठनों की ओर से प्रोफेसर रवि वर्माकुमार, मवल्ली शंकर, स्तंभकार, नाटककार बी चंद्र गौड़ा समेत 30 लोग शामिल थे।

मुलाकात

बुधवार को नई दिल्ली में केन्दीय परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गड़करी से मुलाकात करते हुए कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एवं हावेरी गदग से सांसद बसवराज बोम्मई। इस मौके पर चिक्कबल्लापुर से सांसद डॉ. सुधाकर भी उपस्थित थे। उन्होंने गड़करी से इलकल-कारवार राज्य राजमार्ग, गजेंद्रगढ़ रिंग रोड और गदग रिंग रोड परियोजनाओं को लागू करने का अनुरोध किया।

कर्नाटक में कांग्रेस शासन के दौरान कोई घोटाला नहीं हुआ है : उपमुख्यमंत्री शिवकुमार

चन्नापटना (कर्नाटक)/भाषा। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने बुधवार को मैसुरु शहरी विकास प्राधिकरण में किसी भी प्रकार के घोटाले के आरोपों को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि राज्य में वर्तमान कांग्रेस शासन के दौरान कोई घोटाला नहीं हुआ है।

शिवकुमार का यह बयान ऐसे समय आया है जब विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आरोप लगाया है कि मुख्यमंत्री सिद्धरमैया के गृह नगर में मैसुरु शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) में करीब 4,000 करोड़ रुपये का वैकल्पिक भूखंड घोटाला हुआ है।

भाजपा का आरोप है कि मैसुरु शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) में करीब 4,000 करोड़ रुपये का घोटाला हुआ जिनमें से एक लाभार्थी मुख्यमंत्री सिद्दरमैया की पत्नी पार्वती हैं। सिद्दरमैया ने इन आरोपों को सिरे से खारिज किया है।

यहां पत्रकारों से बातचीत के दौरान उपमुख्यमंत्री ने कहा, राज्य में जितने भी घोटाले हुए हैं, वे सभी भाजपा के कार्यकाल में हुए हैं। हम विधानसभा सत्र के दौरान सभी आरोपों का जवाब देंगे।

द्रमुक ने नीट को समाप्त करने की मांग उठाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुन्नेत्र कझगम (द्रमुक) ने बुधवार को कहा कि नीट परीक्षा का विरोध अब अखिल भारतीय मुद्दा बन गया है और उसे इसके समाप्त होने जैसे किसी अच्छे परिणाम की उम्मीद है, वहीं मशहूर तमिल अभिनेता विजय ने नीट परीक्षा के खिलाफ तमिलनाडु विधानसभा द्वारा पारित प्रस्ताव का समर्थन किया।

अभिनेता विजय ने प्रस्ताव का समर्थन किया

द्रमुक की छात्र इकाई ने नीट परीक्षा समाप्त करने की मांग करते हुए प्रदर्शन किया, वहीं अन्नाद्रमुक और भारतीय जनता पार्टी ने इस मुद्दे पर सत्तारूढ़ पार्टी पर लोगों को गुमराह करने तथा नाटक करने का आरोप लगाया। नीट तमिलनाडु में एक संवेदनशील मुद्दा रहा है क्योंकि पिछले कुछ वर्षों में कई अभ्यर्थियों ने या तो परीक्षा में असफल होने या उत्तीर्ण होने में असमर्थ होने के डर से कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। द्रमुक और अन्नाद्रमुक सहित सभी प्रमुख राजनीतिक दल नीट का विरोध कर रहे हैं। द्रमुक लंबे समय से नीट का विरोध कर रही है। उसका दावा है कि यह परीक्षा सामाजिक न्याय और राज्य के अधिकारों के खिलाफ है। पार्टी चाहती है कि मेडिकल पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए 12वीं कक्षा में प्राप्तांक को मानदंड बनाया जाए। द्रमुक के विरोध प्रदर्शन की अगुवाई पार्टी की छात्र इकाई के सचिव और कांचीपुरम से विधायक सीवीएमपी एझिलारसन ने की। प्रदर्शनकारियों ने काले परिधान पहन रखे थे।

परिस्थितियां सीबीआई जांच के आदेश देने के अनुरूप नहीं : तमिलनाडु सरकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कल्लाकुरिची मामला

चेन्नई। तमिलनाडु सरकार ने बुधवार को मद्रास उच्च न्यायालय में कहा कि कल्लाकुरिची में जहरीली शराब से 60 से अधिक लोगों की मौत होने के मामले पर ऐसी कोई निश्चित परिस्थिति लागू नहीं होती, जिसके तहत सीबीआई जांच का आदेश दिया जाए। मुख्य सचिव शिव दास मीणा ने यह बात कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश आर. महादेवन और न्यायमूर्ति मोहम्मद शफीक की पीठ के समक्ष दायर अपनी स्थिति रिपोर्ट में कही। मीणा ने यह रिपोर्ट अन्नाद्रमुक के कानूनी प्रभाग के सचिव और 'एडवोकेट्स फोरम फॉर सोशल जस्टिस' के अध्यक्ष की याचिकाओं के जवाब में दायर की। याचिकाओं में 19 जून को कल्लाकुरिची जिले में हुई घटना की जांच सीबीआई को सौंपने की मांग की गई है। इस घटना में 65 लोगों की मौत हुई थी। अतिरिक्त महाधिवक्ता ने अदालत से समय मांगा, जिसके बाद पीठ ने मामले को विस्तृत सुनवाई के लिए 11 जुलाई को सूचीबद्ध कर दिया। मीणा ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि राज्य से जांच का जिम्मा लेकर सीबीआई को सौंपी नहीं जानी चाहिए।

राजस्थान विधानसभा का बजट सत्र शुरू, विपक्ष ने हंगामा किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/भाषा। राजस्थान विधानसभा के बजट सत्र की बुधवार को शुरुआत हुई जहां विपक्षी दल कांग्रेस के विधायकों ने राज्यपाल का अभिभाषण नहीं कराए जाने के मुद्दे पर हंगामा किया और नारेबाजी की।

सदन की बैठक शुरू होते ही नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने नए सत्र की शुरुआत में राज्यपाल का अभिभाषण नहीं करवाए जाने का मुद्दा उठाया जिस पर संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि सदन की कार्यवाही विधि अनुसार ही शुरू हुई है और राज्यपाल का अभिभाषण पहले ही हो चुका है।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने भी अपनी तरफ से व्यवस्था देकर सदन को सुचारू करने की कोशिश की, लेकिन विपक्षी दल के विधायक हंगामा करते रहे। इसके बाद नवनिर्वाचित विधायक जयकृष्ण पटेल ने शपथ ली। भारत आदिवासी पार्टी के जयकृष्ण पटेल ने राजस्थान की बागीदौरा विधानसभा के उपचुनाव में जीत दर्ज की है।

अध्यक्ष देवनानी ने राजस्थान से सांसद ओम बिरला के पुन: लोकसभा अध्यक्ष निर्वाचित होने पर उनके लिए बधाई संदेश पढ़ा।

सदन में गुजरात और त्रिपुरा की पूर्व राज्यपाल कमला बेनीवाल सहित हाल ही में दिवंगत हुए जनप्रतिनिधियों के लिए शोकाभिव्यक्ति की गई। हाथरस में हुई भगदड़ की घटना में जान गंवाने वालों को भी सदन में श्रद्धांजलि दी गई। इसके बाद सदन की कार्यवाही बृहस्पतिवार सुबह 11 बजे तक स्थगित कर दी गई।

सदस्यों ने लिया प्लास्टिक बैग के न्यूनतम उपयोग का संकल्प

जयपुर/एजेन्सी। राजस्थान विधानसभा में बुधवार को अन्तरराष्ट्रीय प्लास्टिक बैग मुक्त दिवस के अवसर पर सदस्यों ने प्लास्टिक बैग का इस्तेमाल न्यूनतम करने तथा आमजन को भी इसके लिए जागरूक करने का संकल्प लिया।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने सोलहवीं विधानसभा के द्वितीय सत्र के पहले दिन सदस्यों को यह संकल्प दिलाया। देवनानी ने सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा कि सभी प्लास्टिक प्रदूषण की गंभीरता को समझते हुए संवेदनशील होकर पर्यावरण संरक्षण की दिशा में काम करें। प्लास्टिक बैग के स्थान पर कपड़े के बने अथवा बायोडीग्रेडेबल बैग का इस्तेमाल करें। उन्होंने सभी सदस्यों से प्लास्टिक बैग्स का न्यूनतम प्रयोग, इसके उचित निस्तारण के लिए संवेदनशील होने तथा अपने आस-पास के लोगों को भी प्लास्टिक बैग के कम से कम उपयोग और पर्यावरण पर प्लास्टिक के दुष्प्रभाव के प्रति जागरूक करने का आह्वान किया।

मिश्र ने प्लास्टिक नहीं, जूट सही अभियान की शुरुआत की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/एजेन्सी। राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र ने दैनिक भास्कर के प्लास्टिक नहीं, जूट सही अभियान की बुधवार को यहां शुरुआत की।

मिश्र ने बुधवार को राजभवन से इस अभियान की शुरुआत की। उन्होंने कैरी बैग की जगह जूट बैग के इस्तेमाल के प्रति जागरूक करने के लिए चलाए जाने वाले इस अभियान के लिए शुभकामनाएं दी और कहा कि यह महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने इस दौरान विद्यालय के बच्चों को जूट बैग प्रदान कर इस अभियान में सभी की भागीदारी का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्लास्टिक के स्थान पर जूट का प्रयोग रचनात्मक सोच है। इस पहल को सभी आगे बढ़ाएं। प्लास्टिक समाज के लिए बहुत खतरनाक है।

राज्यपाल ने कहा कि सिंगल यूज पर रोक के तहत अपने शहर को प्लास्टिक मुक्त करने में सब मिलकर सहयोग करें। उन्होंने इस अभियान की सराहना की तथा कहा कि सभी के समन्वित प्रयासों से प्लास्टिक मुक्त समाज के साथ पर्यावरण संरक्षण के साथ हम पारिस्थितिकी संतुलन स्थापित कर सकेंगे। उन्होंने तेजी से हो रहे जलवायु परिवर्तन और बढ़ते प्रदूषण पर चिंता जताते हुए कहा कि अधिकाधिक पौधे लगाने के साथ इस तरह के रचनात्मक अभियान ही मानव भविष्य के लिए महत्वपूर्ण हैं।

प्रधानमंत्री को न अपने पद, न सदन की गरिमा की चिंता : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/भाषा। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बुधवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के लिए जिस तरह के शब्दों का इस्तेमाल किया वह उनकी (मोदी की) हताशा का परिचायक है। गहलोत ने कहा कि ऐसा लगता है कि प्रधानमंत्री को ना अपने पद और ना ही सदन की गरिमा की चिंता है।

गहलोत ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, कल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के लिए जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया वह उनकी हताशा का परिचायक है। ऐसा लगता है कि प्रधानमंत्री जी को ना अपने पद और ना ही सदन की गरिमा की चिंता है।

गहलोत ने कहा, जनता उनकी हताशा को जान चुकी है इसलिए उन्हें गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है।

मोदी ने लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए मंगलवार को राहुल गांधी पर प्रत्यक्ष और परोक्ष दोनों प्रकार से हमले किये। मोदी ने कहा कि देश में इन दिनों सहानुभूति का खेल और 'बालक बुद्धि' का विलाप जारी है, लेकिन इसे कतई नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

गहलोत ने पलटवार करते हुए कहा, बांसवाड़ा, राजस्थान में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने चुनावी रैली में मंगलसूत्र, घुसपैठिया जैसी भाषा में जो भाषण दिया उसके बाद लगातार एक जून तक उनके भाषण नकारात्मक रूप से देशभर में चर्चा में रहे एवं उनकी हार का एक कारण उनकी अनर्गल टिप्पणियां भी रही हैं।

हाथरस घटना में राजस्थान की एक महिला की मौत, दो घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भरतपुर/एजेन्सी। उत्तर प्रदेश में हाथरस से 47 किमी दूर फुलरई गांव में भोले बाबा के सत्संग में बुधवार को मची भगदड़ में राजस्थान की रहने वाली एक महिला की मौत दो महिलाओं के घायल हो जाने की जानकारी प्राप्त हुई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सत्संग में भगदड़ के दौरान डीग जिले में कुम्हेर के साबोरा निवासी 50 वर्षीया राजेंद्री की मौत हो गयी जबकि घायल महिलाओं के नाम भरतपुर जिले के मलाह गांव की रहने वाली रानी और गोलपुरा गांव की रहने वाली प्रेमवती शामिल हैं।

मृतक महिला का पति प्रसादी मजदूरी करता है। उसके दो लड़के हैं, जिसमें से एक लड़का मजदूरी करता है और दूसरा लड़का पढ़ाई करता है। बताया गया कि साबोरा की करीब 15 महिलायें आपस में पैसे इकट्ठे कर एक गाड़ी से नदबई तक तथा इसके बाद वह सोमवार शाम एक बस से सत्संग में गई थी। मृतका महिलाओं के इसी दल में शामिल थी। पांडाल के समीप दलदल में गिरने से उसकी मौत हो गयी।

राजस्थान सडक सुरक्षा के लिए 10 वर्ष का एक्शन प्लान तैयार करने वाला देश का पहला राज्य : उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचन्द

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उपमुख्यमंत्री व परिवहन एवं सड़क सुरक्षा मंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने बताया कि राजस्थान देश का पहला राज्य है जहा योजनाबद्ध तरीक़े से सड़क सुरक्षा के लिये आगामी 10 वर्षों के लिये एक्शन प्लान तैयार किया जा रहा है। जिसके तहत् आमजन को सड़क सुरक्षा के प्रावधानों के प्रति जागरूक कर एवं सड़क सुरक्षा नियमों की पालना में व्यवहारिक परिवर्तन लाने की दिशा में काम किया जावेगा। इसका लक्ष्य प्रदेश में 2030 तक सड़क हादसों में लगभग 50 प्रतिशत की कमी लाना रखा गया है।

उपमुख्यमंत्री बुधवार को परिवहन मुख्यालय पर राज्य सड़क सुरक्षा नीति एवं कार्य योजना को लेकर आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उपमुख्यमंत्री द्वारा अपर परिवहन आयुक्त निधि सिंह द्वारा आगामी दस वर्षों के लिए तैयार राज्य सड़क सुरक्षा रणनीति एवं कार्य योजना पर प्रेजेंटेशन का अवलोकन किया गया। उपमुख्यमंत्री ने पीडब्ल्यूडी, परिवहन, पुलिस, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, वन विभाग सहित सभी हितधारक विभागों को एक साथ सामंजस्य रख सड़क सुरक्षा के लिए काम करने के निर्देश दिये।

उपमुख्यमंत्री ने बताया कि वर्ल्ड बैंक की सहायता से विभिन्न देशों में सड़क सुरक्षा को लेकर अपनायी जा रही सर्वश्रेष्ठ गतिविधियों को समायोजित कर सड़क हादसों में कमी लाने के लिए राज्य सड़क सुरक्षा नीति एवं कार्य योजना को तैयार किया जा रहा है।

इस कार्य योजना का क्रियांन्वयन तीन चरणों में किया जाएगा जिसमें प्रथम चरण 2025 से 2027, द्वितीय चरण 2027 से 2030, तृतीय चरण 2030 से 2033 के मध्य संचालित किया जाएगा। जिसके बाद इस कार्ययोजना की समीक्षा की जावेगी।

उल्लेखनीय है कि परिवहन विभाग की सड़क सुरक्षा प्रकोष्ठ द्वारा तैयार की जा रही यह कार्य योजना सरकार के 100 दिवसीय कार्य योजना का हिस्सा है। जिसके क्रियान्वयन को लेकर सभी तैयारिया पूरी कर ली गई है।

खदान में भरे पानी में डूबने से दो बच्चों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/एजेन्सी। राजस्थान में सांचौर जिले के रानीवाड़ा उपखंड में करडा थाना क्षेत्र में पत्थर की खदान में भरे पानी में डूबने से दो बच्चों की मौत हो गयी। प्राप्त जानकारी के अनुसार तावीदर गांव निवासी सांवलाराम भील (12) एवं नरेश कुमार भील जंगल में बकरियां चराने गये थे। इसी दौरान मंगलवार शाम को एक लडके का पैर फिसलने से खदान में गिर गया जिसे बचाने दूसरा बच्चा भी कूद गया। दोनों बच्चे डूब गये।

सूचना पर करडा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। दोनों को खदान से बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मृत बच्चों का आज पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया।

राजस्थान मंत्रिमंडल का फैसला:

जयपुर में बनेगी 'एयरो सिटी', राज्य में खुलेंगे तीन 'फ्लाइंग स्कूल'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/भाषा। राजस्थान की राजधानी जयपुर में 'एयरो सिटी' बनाई जाएगी जिसमें होटल, रेस्त्रां सहित विभिन्न आधारभूत सुविधाएं विकसित की जाएंगी। इसके साथ ही किशनगढ़, झालावाड़ और भीलवाड़ा में 'फ्लाइंग स्कूल' खोले जाएंगे। राज्य मंत्रिमंडल की मंगलवार को हुई बैठक में यह फैसला किया गया।

इसके साथ ही मंत्रिमंडल ने महात्मा गांधी की जीवनी पर आधारित संग्रहालय 'गांधी वाटिका' के संचालन और प्रबंधन के लिए राज्य की पिछली अशोक गहलोत सरकार द्वारा लाए गए गांधी वाटिका न्यास, जयपुर अधिनियम-2023 को निरस्त करने का फैसला किया है। मंत्रिमंडल की बैठक यहां मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में हुई।

बैठक के बाद उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचन्द्र बैरवा, उद्योग मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ एवं संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बैठक में राज्य में विमानन क्षेत्र में आधारभूत ढांचे के विकास, बिजली क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दृष्टि से नियमों में संशोधन और गांधी दर्शन संग्रहालय के संचालन से जुड़े महत्वपूर्ण निर्णय किए गए।

मंत्री राठौड़ ने बताया कि राज्य में क्षेत्रीय हवाई संपर्क में सुधार करने और पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नागरिक विमानन नीति 2024 को मंत्रिमंडल ने मंजूरी प्रदान की है। उन्होंने बताया कि यह नीति विमानन प्रशिक्षण सुविधाओं, विमानन रखरखाव सेवाओं को बढ़ाने और एयरोस्पेस गतिविधियों को विकसित करने पर केन्द्रित है। उन्होंने बताया कि इसके अंतर्गत किशनगढ़, झालावाड़ और भीलवाड़ा में 'फ्लाइंग स्कूल' खोले जाएंगे और कोटा में 'ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट' बनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि जयपुर में 'एयरो सिटी' बनाई जाएगी जिसमें होटल, रेस्त्रां सहित विभिन्न आधारभूत सुविधाएं विकसित की जाएंगी। उन्होंने बताया कि राज्य के विभिन्न हवाई अड्डों पर कार्गो सुविधा प्रारम्भ की जाएगी। उन्होंने बताया कि इस नीति के तहत राज्य की पुरानी हवाई पट्टियों को मरम्मत करके पुन: उड़ान योग्य बनाया जाएगा।

संसदीय कार्य मंत्री पटेल ने पत्रकार वार्ता में बताया कि गांधी वाटिका न्यास, जयपुर अधिनियम-2023 को निरस्त करने के लिए विधानसभा में विधेयक लाया जाएगा। उन्होंने बताया कि 2023 में लाए गए अधिनियम की विभिन्न धाराओं में उपाध्यक्ष को असीमित वित्तीय शक्तियां दी गई थीं। उन्होंने बताया कि न्यास से संबंधित किसी भी प्रकार की स्थावर सम्पत्ति का विक्रय, बंधक या निपटान करने का अधिकार उपाध्यक्ष को दिया गया था। उन्होंने बताया कि मनोनीत उपाध्यक्ष को हटाने के संबंध में किसी भी प्रकार का प्रावधान भी उक्त अधिनियम में नहीं किया गया था, ये प्रावधान राज्य हित में नहीं हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि गांधी दर्शन संग्रहालय का संचालन किया जाता रहेगा। उन्होंने बताया कि राज्य में अन्य विभागों के अधीन संचालित संग्रहालयों का संचालन संबंधित विभाग द्वारा ही किया जा रहा है, ऐसी स्थिति में गांधी दर्शन संग्रहालय के संचालन एवं प्रशासनिक क्रियान्वयन हेतु गांधी वाटिका न्यास की आवश्यकता नहीं है।

राठौड़ ने बताया कि राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में अक्षय ऊर्जा नीति, 2023 एवं राजस्थान भू-राजस्व (अक्षय ऊर्जा पर आधारित विद्युत संयत्रों की स्थापना हेतु राजकीय भूमि का आवंटन) नियम, 2007 के प्रावधानों में संशोधन किये जाने संबंधी प्रस्ताव का अनुमोदन किया गया। उन्होंने बताया कि राजस्थान को बिजली उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से राज्य सरकार निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि अब तक राज्य सरकार की ओर से विद्युत क्षेत्र में करीब सवा दो लाख करोड़ रुपये के समझौता ज्ञापन (एमओयू) किए जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि अब इन संशोधनों से प्रदेश में बिजली क्षेत्र में 2 लाख करोड़ रुपये के नये निवेश का मार्ग प्रशस्त होगा।

सड़क हादसे में बच्ची सहित तीन की मौत, 13 अन्य घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/भाषा। राजस्थान के दौसा जिले के सदर थाना क्षेत्र में मंगलवार देर रात एक लोडिंग टेम्पो की एक वाहन से भिड़ंत होने से सात वर्षीय बच्ची सहित तीन लोगों की मौत हो गई जबकि 13 अन्य लोग घायल हो गये।

सदर थानाधिकारी सोहन लाल ने बुधवार को बताया कि जयपुर-आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग पर गिरिराज धरण मंदिर के पास एक तेज रफ्तार लोडिंग टेम्पो की उसके आगे चल रहे वाहन से टक्कर हो गई जिससे टेम्पो में सवार छोटूराम (35), समंतरा (50) और दिव्या (7) की मौत हो गई जबकि 13 अन्य लोग घायल हो गये। उन्होंने बताया कि लोडिंग टेम्पो में सवार सभी लोग उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद क्षेत्र के निवासी थे और सीकर से खाटू श्याम जी मंदिर में दर्शन करके वापस लौट रहे थे।

सोहन लाल ने बताया कि गंभीर रूप से घायल तीन लोगों का जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल में उपचार जारी है। वहीं, 10 घायलों को दौसा के जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था जहां से उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई।

जिम्मेदारी

कौशल, नियोजन एवं उद्यमिता विभाग के मुख्यालय परिसर में मंगलवार को शासन सचिव पीसी किशन व अन्य अधिकारियों ने 200 से अधिक पौधे लगाए। शासन सचिव ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण और हरित क्षेत्र का विस्तार करना है, जिससे आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण मिल सके। कार्यक्रम में सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी को निभाने का संकल्प लिया।

मिलावट के खिलाफ अभियान : अचार फैक्ट्री पर कार्रवाई, 3200 किलो अचारमुरब्बा जब्त, 1500 किलो नकली घी पकड़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा की पहल और चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के निर्देशों पर प्रदेश में मिलावट के खिलाफ निरंतर अभियान चलाया जा रहा है। खाद्य सुरक्षा आयुक्त इकबाल खान के निर्देशन में मंगलवार को विभिन्न स्थानों पर कार्रवाई की गई।

अतिरिक्त आयुक्त पंकज ओझा ने बताया कि मालवीय नगर इंडस्ट्रियल एरिया में अपेक्स सर्किल के पास श्रीनाथ अचार फेक्ट्री पर खाद्य सुरक्षा दल द्वारा कार्रवाई की गई। यहां निरीक्षण के दौरान अनेक कमियां पाई गईं। फैक्ट्री में साफसफाई की स्थिति असंतोषजनक होने के साथ ही बिना निर्माण तिथि के केमिकल्स पाए गए।

फैक्ट्री में आंवला मुरब्बा के 1818 किलो के 81 टिन तथा लाल मिर्च अचार के 1515 किलो के 120 टिन मौके पर रखे हुए थे।

विक्रेता ने बताया कि इन्हें हाथरस से खरीद कर लाया गया था, परंतु इन पर किसी प्रकार की कोई निर्माण तिथि, निर्माता का नाम आदि सूचना अंकित नहीं थी। खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के अंतर्गत नमूने लेने के पश्चात माल को सीज किया गया।

इसी प्रकार फैक्ट्री में लाल मिर्च पाउडर के 10 बैग मिले, जिनमें 500 किलो लाल मिर्च पाउडर रखा हुआ था, जो अचार बनाने के काम लिया जा रहा था। इस मिर्च पाउडर की गुणवत्ता में कमी का अंदेशा होने पर एक नमूना लेने के पश्चात लाल मिर्च पाउडर को भी सीज किया गया। मौके पर एक प्लास्टिक के ड्रम में लगभग 100 किलो कैर का अचार रखा हुआ था, जिसमें फफूंद लगी हुई थी, इसे मौके पर ही नष्ट करवाया गया इसके अतिरिक्त मौके से वेजिटेबल सॉस एवं मिक्स अचार का भी एक-एक नमूना जांच हेतु लिया गया, जिनकी जांच रिपोर्ट प्राप्त होने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। मौके पर मिली कमियों पर धारा 32 के अंतर्गत नोटिस जारी किया गया है। इसकी पालना नहीं करने पर फूड लाइसेंस निरस्त करने की कार्रवाई की जाएगी। टीम में खाद्य सुरक्षा अधिकारी दीपक सिंधी, रमेश यादव, राजेश नगर और नंदकिशोर कुमावत उपस्थित रहे।

इसी प्रकार दूसरी बड़ी कार्रवाई में 1500 किलो नकली घी पकड़ा गया। अतिरिक्त आयुक्त ने बताया कि गुप्त सूचना पर इंटरसिटी ट्रैवल्स, पोलो विक्ट्री पर खाद्य विभाग की टीम पहुंची। टीम में खाद्य सुरक्षा अधिकारी नरेश चेजारा एवं रतन गोदारा मौके पर पहुंचे तो पाया कि 1500 किलो नकली घी, जिसकी कीमत 290 रुपए किलो है इंदौर में बनवाकर श्री राम मिल्क फूड द्वारा जयपुर में झोटवाड़ा रोड स्थित पिंक सिटी टावर में मंगवाया गया था। इसे जयपुर शहर में बेचा जाना था। यह नकली घी ट्रैवल्स बसों से मंगवाया जा रहा था। नकली घी को सीज किया गया है।

श्री राम मिल्क फूड द्वारा मिल्क क्रीम मदर चॉइस और मिल्क क्रीम के नाम से घी बनाया जा रहा था। श्रीराम मिल्क फॉर डेयरी इंडस्ट्रीज द्वारा इंदौर में घी बनाकर किसी और नाम की फर्म द्वारा झोटवाड़ा में ट्रेवल्स से लाकर बेचा जा रहा था।

हलचल — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को हाथरस भगदड़ में घायल हुए लोगों से मुलाकात की।

हाथरस भगदड़

लापता महिला के भाई ने कहा : 100 से ज्यादा शव देख चुका कुछ पता नहीं चला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

आगरा। उत्तर प्रदेश के हाथरस में भगदड़ की घटना के बाद से लापता 50 वर्षीय महिला के भाई ने बुधवार को यहां कहा, अपनी बहन को ढूंढने की कोशिश में मुझे 100 से ज्यादा शवों को देखना पड़ा। ये दर्द है राकेश कुमार (46) का जो अपनी बहन हरबेजी देवी की तलाश में मोटरसाइकिल से हाथरस, एटा और अलीगढ़ के पोस्टमार्टम हाउस की खाक छानते रहे। हाथरस में एक 'सत्संग' में मंगलवार को मची भगदड़ में मरने वालों की संख्या बुधवार को बढ़कर 121 हो गई है।

उत्तर प्रदेश पुलिस ने सत्संग के आयोजकों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है, जिसमें उन पर साक्ष्य छिपाने और आयोजन की शर्तों का उल्लंघन करने का आरोप लगाया गया है। कार्यक्रम में ढाई लाख लोग एकत्र हुए थे, जबकि केवल 80,000 लोगों के ही एकत्र होने की अनुमति दी गई थी। हाथरस जिले के फुलरई गांव में प्रवचनकर्ता बाबा नारायण हरि उर्फ 'साकार विश्व हरि भोले बाबा' का सत्संग जब समाप्ति की ओर था उस दौरान यह घटनी घटी। उत्तर प्रदेश के कासगंज निवासी कुमार ने बताया, मंगलवार को मुझे अलीगढ़ के एक गांव में रहने वाले मेरे बहनोई का फोन आया। उन्होंने बताया कि हरबेजी 'सत्संग' में गई थी, लेकिन वापस नहीं लौटी हैं जबकि उनके पड़ोसी (जो कार्यक्रम में शामिल होने गए थे) घर पहुंच गए हैं। कुमार तुरंत अपनी मोटरसाइकिल से भगदड़ स्थल की ओर रवाना हो गए लेकिन उन्हें वहां अपनी बहन के बारे में कोई जानकारी नहीं मिली।

उन्होंने कहा, मुझे बताया गया कि कुछ शव हाथरस और अलीगढ़ भेजे गए हैं। फिर मैं अपनी बहन को ढूंढते हुए वहां गया। मैंने आकस्मिक वार्ड भी देखा, जहां घायलों का इलाज किया जा रहा था, लेकिन वह वहां भी नहीं मिलीं। कुमार ने कहा, मैंने प्रशासन द्वारा जारी मृतकों की सूची भी देखी है और हर हेल्पलाइन नंबर पर फोन करके उसे ढूंढने की कोशिश की है, लेकिन मेरे सारे प्रयास व्यर्थ रहे। मैं अब तक उन्हें नहीं ढूंढ पाया। मैं अब भी कोशिश कर रहा हूं। उन्होंने बताया कि हरबेजी के दो बेटियां और दो बेटे हैं।

कुमार की तरह कई अन्य लोग भी थे, जो अपने लापता परिजनों की तलाश में या अपने प्रियजनों के शव लेने के लिए आसपास के जिलों से 'पोस्टमार्टम हाउस' पहुंचे थे। मथुरा के विशाल कुमार ने बताया कि घटना की जानकारी मिलने के बाद वह मौके पर गए और हर जगह तलाश की, लेकिन उनकी मां पुष्पा देवी नहीं मिलीं। विशाल कुमार ने कहा, आखिरकार हमें पता चला कि उनका शव पोस्टमार्टम के लिए आगरा भेज दिया गया है, इसलिए मैं यहां आया हूं। उन्होंने बताया कि उनकी मां लगभग एक दशक से भोले बाबा की भक्त थीं।

पुश्तैनी गांव के लोगों ने धार्मिक शिक्षा के लिए की 'भोले बाबा' की सराहना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कासगंज (उप्र)। कासगंज जिले की पटियाली तहसील में स्थित नारायण हरि उर्फ साकार विश्व हरि 'भोले बाबा' के पैतृक गांव बहादुरनगर के लोगों ने बुधवार को इस प्रवचनकर्ता की सराहना की।

नारायण हरि पुलिस की नौकरी छोड़कर धार्मिक उपदेशक बन गये। धीरे-धीरे लोग उनके विचारों से जुड़ते गये और उनके सत्संग में भीड़ जुटने लगी। स्थानीय लोगों के मुताबिक, 'भोले बाबा' पहले अपने गांव में ही सत्संग करते थे लेकिन बाद में वहां काफी भीड़ होने लगी, इसलिये उन्होंने गांव में सत्संग बंद कर दिया। उनके अनुयायियों का दावा है कि बाबा अपने भक्तों से किसी तरह का दान या चढ़ावा नहीं मांगते। 'पीटीआई-वीडियो' से बातचीत में जब लोगों से पूछा गया कि बाबा ने बिना दान-दक्षिणा के कासगंज में इतना भव्य धाम कैसे बनाया, तो लोगों ने कहा कि यह भक्तों का दान है और बाबा ने उनसे कुछ मांगा नहीं था। महिलाओं का कहना है कि बाबा का आचरण बहुत अच्छा है और वह सिर्फ भगवान के बारे में ही बातें करते हैं। आश्रम के पास रहने वाले धन सिंह, मोहित कुमार और गांव के जय कुमार ने भी बाबा की प्रशंसा की और कहा कि वे और बड़ी संख्या में अन्य लोग अक्सर बाबा के सत्संग में जाते हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि बाबा की उम्र 60 साल से अधिक है और उनकी कोई संतान नहीं है।

हाथरस भगदड़

पोस्टमार्टम रिपोर्ट में खुलासा, सीने में चोट और दम घुटने से हुई मौत

आगरा/भाषा। उत्तर प्रदेश में हाथरस में एक सत्संग के बाद मची भगदड़ के पीड़ितों के शवों के पोस्टमार्टम से पता चला है कि उनकी मौत सीने में चोट के कारण खून जमने, दम घुटने और पसलियों में चोट के कारण हुई है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलराई गांव में एक धार्मिक समागम में भगदड़ में 121 लोगों की मौत के बाद 21 शवों को आगरा के एस एन मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल लाया गया। आगरा के मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) अरुण श्रीवास्तव ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार लोगों की मौत रक्त जमने, दम घुटने और पसलियों में चोट लगने के कारण हुई है। उन्होंने बताया कि मथुरा, आगरा, पीलीभीत, कासगंज और अलीगढ़ आदि स्थानों के 21 लोगों के शव एस एन मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में लाए गए और डॉक्टरों की एक टीम ने उनका पोस्टमार्टम किया। मंगलवार रात को जैसे ही शव पोस्टमार्टम स्थल पहुंचने लगे, पीड़ितों के परिजन वहां जुटने लगे। पोस्टमार्टम के बाद शवों को पीड़ितों के परिजनों को सौंप दिया गया।

भगदड़ में मारे गए लोगों में मथुरा की 10 महिलाएं शामिल

मथुरा/भाषा। उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले में एक सत्संग के दौरान मची भगदड़ में मारे गए 121 लोगों में मथुरा की 10 महिलाएं शामिल हैं। हाथरस जिले के फुलरई गांव में प्रवचनकर्ता बाबा नारायण हरि उर्फ साकार विश्व हरि 'भोले बाबा' के कार्यक्रम में मंगलवार को करीब ढाई लाख अनुयायी एकत्र हुए थे। इस दौरान मची भगदड़ के कारण 121 लोगों की मौत हो गई जिनमें अधिकतर महिलाएं हैं। अधिकतर लोगों की मौत दम घुटने के कारण हुई। अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) योगानन्द पाण्डेय ने बताया कि हाथरस की घटना में मारे गए लोगों में मथुरा की 10 महिलाएं शामिल थीं जिनमें से तीन महिलाएं मगोर्रा थाना क्षेत्र की हैं। उन्होंने बताया कि डोमपुरा गांव निवासी वासो देवी (65) का शव मथुरा पहुंचाए जाने के बाद उसका अंतिम संस्कार कर दिया गया जबकि उसी गांव की मन्दिरा देवी (70) तथा नगला हरजू निवासी श्यामवती (58) के शव भी मथुरा पहुंचाए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि भगदड़ में मारी गई महिलाओं में मथुरा की 76 वर्षीय कमलेश, 65 वर्षीय जशोदा और 65 साल की त्रिवेणी, शकुंतला देवी, अंगूरी देवी तथा दो अन्य महिलाएं भी शामिल हैं। पाण्डेय ने बताया कि अभी तक मिली जानकारी के अनुसार, सौंख कस्बा से सटे बछगांव से तीन बस के जरिए करीब 200 महिलाएं व पुरुष हाथरस के सत्संग में भाग लेने गए थे। उन्होंने बताया कि इनके अलावा जमुनापार के लोहवन गांव से भी करीब 40 लोग सत्संग में शामिल होने गए थे और उनमें से भी कुछ लोग लापता है। आशंका है कि उनमें से भी कुछ लोग मृतकों में शामिल हो सकते हैं।

बाबा के सुरक्षा कर्मियों के धक्का मारने व फिसलन भरी ढलान के कारण भगदड़ मची

लखनऊ/भाषा। हाथरस में सत्संग के बाद नारायण साकार विश्व हरि भोले बाबा' के सुरक्षाकर्मियों द्वारा अनुयायियों को धक्का मारने से फैली अफरा तफरी तथा फिसलन भरी ढलान के कारण मंगलवार को भगदड़ मची, जिसमें 121 लोगों की मौत हुई। यह जानकारी सिकंदराराऊ के उप जिलाधिकारी (एसडीएम) की प्रारंभिक रिपोर्ट से मिली है, जिसे जिलाधिकारी को सौंप दिया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, सत्संग (धार्मिक समागम) की अनुमति देने वाले एसडीएम भी घटना के समय कार्यक्रम स्थल पर मौजूद थे। रिपोर्ट में कहा गया, सत्संग पंडाल में दो लाख से अधिक लोगों की भीड़ मौजूद थी। श्री नारायण साकार हरि (भोले बाबा) दोपहर करीब 12.30 बजे सत्संग पांडाल में पहुंचे और कार्यक्रम एक घंटे तक चला। इसके बाद करीब 1.40 बजे श्री नारायण साकार हरि (भोले बाबा) पंडाल से निकलकर राष्ट्रीय राजमार्ग -91 पर एटा की ओर जाने लगे। रिपोर्ट में कहा गया कि जब बाबा कार्यक्रम स्थल से जा रहे थे, तो उनके अनुयायी उनके दर्शन के लिए उनकी ओर दौड़ने लगे और उनके पैरों के पास से मिट्टी एकत्र करने लगे। दो जुलाई की रिपोर्ट में कहा गया है, सत्संगी महिलाएं/पुरुष/बच्चे आदि बाबा के चरणों की धूल माथे पर लगाने लगे, उनके दर्शन करने लगे, उनके पैर छूने लगे और उनका आशीर्वाद लेने लगे। रिपोर्ट में कहा गया है कि स्थिति तब और खराब हो गई, जब आगे सड़क के डिवाइडर पर इंतजार कर रहे लोग उनके वाहन की ओर दौड़ने लगे।

हाथरस की दुखद घटना का जिम्मेदार कौन : प्रियंका वाद्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस महासचिव प्रियंका वाद्रा ने उत्तर प्रदेश के हाथरस में भगदड़ की घटना में 100 से अधिक लोगों के मारे जाने पर बुधवार को दुख जताया और सवाल किया कि इस दुखद घटना का जिम्मेदार कौन है? उन्होंने यह भी कहा कि लीपापोती करने की बजाय सरकार का दायित्व होता है कि कार्रवाई करे और ऐसे हादसों को रोकने की योजना तैयार करे, लेकिन ऐसा नहीं हो रहा है। प्रियंका वाद्रा ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, अनुमति से तीन गुना ज्यादा भीड़, मौके पर प्रशासन नहीं, भीड़ मैनेजमेंट का इंतजाम नहीं, भीषण गर्मी से बचने का कोई उपाय नहीं, कोई मेडिकल टीम नहीं, घटना के बाद एंबुलेंस नहीं, मदद के लिए फोर्स नहीं, अस्पताल में डॉक्टर और सुविधाएं नहीं... लापरवाहियों की इतनी लंबी लिस्ट लेकिन किसी की कोई जवाबदेही नहीं।'' उन्होंने सवाल किया कि हाथरस में जो दुखद घटना घटी, उसका जिम्मेदार कौन है?

प्रियंका वाद्रा ने कहा, कभी पुल गिरने से, कभी ट्रेन एक्सीडेंट से, कभी भगदड़ से सैकड़ों मौतें होती हैं। लीपापोती करने की बजाय सरकार का दायित्व होता है कि कार्रवाई करे और ऐसे हादसों को रोकने की योजना तैयार करे। मगर जवाबदेही तय होती नहीं है और ऐसे हादसे होते रहते हैं। यह बहुत दुखद स्थिति है।''

भगदड़ को लेकर उच्च न्यायालय में याचिका दायर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

प्रयागराज/भाषा। इलाहाबाद उच्च न्यायालय में एक पत्र के जरिए जनहित याचिका बुधवार को दायर कर हाथरस में एक सत्संग के बाद हुई भगदड़ की घटना की सीबीआई से जांच कराने का अनुरोध किया गया है।

इलाहाबाद उच्च न्यायालय के अधिवक्ता गौरव द्विवेदी ने मुख्य न्यायाधीश और अन्य न्यायाधीशों को संबोधित अपनी याचिका में लिखा है कि समाचार पत्रों के माध्यम से ज्ञात हुआ कि हाथरस जिले में सत्संग के बाद मची भगदड़ में सौ से अधिक लोगों की मृत्यु हुई है और अनेक लोग घायल हुए हैं। याचिका में कहा गया कि जिले के अधिकारी लापरवाही के लिए पूरी तरह से जिम्मेदार हैं जिसकी वजह से यह भगदड़ मची और सौ से अधिक लोगों की जानें गईं। उसमें कहा गया है कि किसी भी अवांछित स्थिति से निपटने के लिए जिले के अधिकारियों के पास सभी तरह की व्यवस्थाएं होती हैं और राज्य सरकार नई तकनीकियों पर काफी पैसा खर्च कर रही है। याचिका पर सुनवाई की तारीख भी तय नहीं हुई है।

हाथरस भगदड़ कांड : अपने बच्चों को खोकर सदमे में हैं कई परिवार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हाथरस। सत्येंद्र यादव 'सत्संग' के बाद अपने वाहन की ओर जा रहे थे, तभी उनकी पत्नी ने फोन करके कहा कि उनके तीन वर्षीय बेटे 'छोटा' की कुछ देर पहले मची भगदड़ में मौत हो गई है। उनतीस वर्षीय वाहन चालक यादव दिल्ली से अपनी मां और दो भाभियों सहित अपने परिवार के साथ विश्वहरि भोले बाब' के सत्संग में पहुंचे थे। कार्यक्रम समाप्त होने से ठीक पहले वह अपनी मां और बड़े बेटे मयंक (चार) के साथ अपने वाहन की तरफ बढ़े तभी फोन पर उनकी पत्नी ने जो कहा, उस पर उन्हें विश्वास ही नहीं हुआ। यादव ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''जैसे ही हम अपने वाहन के पास पहुंचे, मुझे मेरी पत्नी का फोन आया...उसने कहा, पिलुआ थाने आ जाओ, छोटा खत्म (मौत) हो गया है।''

यादव के तीन वर्षीय बेटे रोविन को उसका परिवार प्यार से छोटा बुलाता था। वह मंगलवार को हाथरस के फुलरई गांव में मची भगदड़ में मरने वाले 121 लोगों में शामिल है। रोविन की तरह कई और परिवार हैं जिन्होंने इस दुखद घटना में अपने बच्चों को खो दिया। आयुष (नौ) और काव्या (तीन) नाम के भाई-बहन के लिए सोमवार शाम को राजस्थान के जयपुर से यहां कार्यक्रम स्थल तक का सफर उनकी आखिरी यात्रा साबित हुई। दोनों शोकाकुल परिवारों ने कहा कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि धार्मिक आयोजन में ऐसी घटना घटेगी।

यादव ने कहा, मैं अपनी पत्नी, उसकी दो बहनों और हमारे दो बेटों के साथ सोमवार रात करीब 11 बजे दिल्ली से निकला और मंगलवार सुबह साढ़े पांच बजे हम यहां पहुंच गए। उत्तर प्रदेश के एटा में अपने गांव में मौजूद यादव ने कहा, रोविन का अंतिम संस्कार मंगलवार रात को गांव में किया गया। यह घटना मेरे परिवार के लिए बहुत दुखद है। भगदड़ के डरावने मंजर को याद करते हुए यादव ने कहा, एक बार तो मैं समझ ही नहीं पाया कि यह क्या हो गया है?

शीर्ष अदालत ने मणिपुर में कुकी समुदाय के एक व्यक्ति को अस्पताल नहीं ले जाने पर कड़ा संज्ञान लिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने मणिपुर की एक जेल में बंद एक विचाराधीन कैदी को महज अल्पसंख्यक कुकी' समुदाय से संबंधित होने के चलते इलाज के लिए अस्पताल नहीं ले जाने के मामले का बुधवार को कड़ा संज्ञान लिया और कहा कि उसे राज्य (सरकार) पर भरोसा नहीं है। न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने लुनखोंगाम हाओकिप की याचिका पर सुनवाई करते हुए मणिपुर सरकार के खिलाफ सख्त टिप्पणियां कीं। याचिकाकर्ता का कहना है कि उसे बवासीर और तपेदिक है एवं उसकी पीठ में भयंकर दर्द है, इसके बाद भी जेल अधिकारी उसे अस्पताल नहीं ले गये। पीठ ने कहा, हमें राज्य पर भरोसा नहीं है।... आरोपी को बस इसलिए अस्पताल नहीं ले जाया गया क्योंकि वह कुकी समुदाय से है। बहुत दुखद। हम निर्देश देते हैं कि उसका अभी मेडिकल परीक्षण कराया जाए। यदि मेडिकल रिपोर्ट में कुछ गंभीर सामने आता है तो हम आपकी खबर लेंगे। हाओकिप के वकील ने दावा किया कि जेल अधिकारियों ने चिकित्सकीय मदद के लिए लगातार किये गये अनुरोधों पर कोई ध्यान नहीं दिया। पीठ ने मणिपुर उच्च न्यायालय के आदेश पर गौर किया और पाया कि विचाराधीन कैदी को इसलिए अस्पताल नहीं ले जाया गया क्योंकि वह कुकी समुदाय से था और उसे अस्पताल ले जाना कानून एवं व्यवस्था की स्थिति को ध्यान में रखते हुए खतरनाक होगा। मणिपुर अल्पसंख्यक कुकी और बहुसंख्यक मैतेई समुदायों के बीच जातीय संघर्ष की चपेट में है। पीठ ने जेल अधीक्षक और राज्य के अधिकारियों को निर्देश दिया कि उसे गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज ले जाने और वहां उसकी जांच कराने के लिए जरूरी इंतजाम किया जाए।

राज्यसभा की बैठक अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राज्यसभा की बैठक को बुधवार को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया। उच्च सदन में राष्ट्रगीत की धुन बजाये जाने के बाद सभापति जगदीप धनखड़ ने राज्यसभा के 264वें सत्र को अनिश्चित काल के लिए स्थगित करने की घोषणा की। वर्तमान सत्र में 27 जून को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित किया था। उसी दिन उच्च सदन के पटल पर राष्ट्रपति के अभिभाषण की प्रति रखी गई। उसी रोज प्रधानमंत्री ने अपनी नई मंत्रिपरिषद का परिचय उच्च सदन में करवाया। उच्च सदन में 28 जून को भाजपा के सुधांशु त्रिवेदी ने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पेश कर चर्चा की शुरूआत की थी। इसके बाद उच्च सदन में धन्यवाद प्रस्ताव पर तीन जुलाई तक चर्चा चली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज उच्च सदन में इस चर्चा का करीब दो घंटे तक जवाब दिया।

'सीयूईटी के कारण भी युवा स्नातक की पढ़ाई के लिए विदेश जाने को मजबूर'

नई दिल्ली। कांग्रेस ने केंद्रीय विश्वविद्यालय संयुक्त प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी) के नतीजों में देरी को लेकर बुधवार को राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) की आलोचना की और दावा किया कि यह परीक्षा ही एक कारण है कि अधिक से अधिक युवा स्नातक की पढाई के लिए विदेश जाना चाह रहे हैं। सीयूईटी के नतीजे 30 जून तक घोषित होने वाले थे। एजेंसी ने अभी तक इस बारे में कोई अपडेट नहीं दिया है कि नतीजे कब घोषित किए जाएंगे।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष एम जगदीश कुमार ने कहा कि एनटीए, सीयूईटी परिणाम पर काम कर रहा है और जल्द ही नतीजे की तारीख की घोषणा करेगा। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने पोस्ट किया, पूरी तरह से बदनाम एनटीए ने पहले घोषणा की थी कि सीयूईटी के नतीजे 30 जून को घोषित किए जाएंगे। अब ऐसा लग रहा है कि 10 जुलाई को इनकी घोषणा होगी।

हिंसा, नफ़रत फैलाने वाले 'भाजपा के लोग' हिंदू धर्म के मूल सिद्धांतों को नहीं समझते : राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को आरोप लगाया कि हिंसा और नफ़रत फैलाने वाले ''भाजपा के लोग'' हिंदू धर्म के मूल सिद्धांतों को नहीं समझते। उन्होंने गुजरात में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यालय पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकर्ताओं द्वारा कथित तौर पर पथराव किए जाने की निंदा करते हुए यह टिप्पणी की। राहुल गांधी द्वारा कथित तौर पर लोकसभा में की गई 'हिंदू विरोधी' टिप्पणियों के खिलाफ मंगलवार को अहमदाबाद में गुजरात प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय के समक्ष आयोजित विरोध प्रदर्शन के दौरान मुख्य विपक्षी पार्टी और सत्तारूढ़ भाजपा के कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हो गई और दोनों पक्षों ने एक दूसरे पर पथराव किया।

कांग्रेस का आरोप है कि भाजपा कार्यकर्ताओं ने उसके प्रदेश कार्यालय पर पथराव किया। राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, गुजरात कांग्रेस कार्यालय पर हुआ कायरतापूर्ण और हिंसक हमला भाजपा और संघ परिवार के बारे में मेरी बात को और पुख्ता करता है। हिंसा और नफ़रत फैलाने वाले भाजपा के लोग हिंदू धर्म के मूल सिद्धांतों को नहीं समझते। उन्होंने कहा कि गुजरात की जनता उनके झूठ के आरपार साफ देख सकती है और इसके लिए वह भाजपा सरकार को निर्णायक सबक सिखाएगी। कांग्रेस नेता ने कहा, मैं फिर से कह रहा हूं कि गुजरात में इंडिया' गठबंधन जीतने वाला है। उन्होंने लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर लाए गए धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान कहा था कि गुजरात के अगले विधानसभा चुनाव में इंडिया' गठबंधन भाजपा को पराजित करेगा।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने कहा कि भाजपा ने गुजरात में राहुल गांधी की इस बात को सही साबित कर दिया है कि सत्तारूढ़ पार्टी सिर्फ हिंसा एवं नफरत की राजनीति करती है। उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट किया, गुजरात में आरएसएस-भाजपा के लोगों द्वारा कांग्रेस कार्यालय पर कायराना एवं हिंसक हमला अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण एवं निंदनीय है।

प्रध्धनमंत्री ने सदन में गलतबयानी की, झूठ बोलना उनकी आदत बन गई है : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बुधवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राज्यसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर लाए गए धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा का जवाब देते हुए गलतबयानी की जिसके विरोध में विपक्ष को सदन से वाकआउट करना पड़ा। उन्होंने संसद भवन परिसर में संवाददाताओं से बातचीत में यह दावा भी किया कि झूठ बोलना और लोगों को भ्रमित करना प्रधानमंत्री मोदी की आदत बन गई है। खरगे ने जब संवाददाताओं को संबोधित किया तो उनके साथ कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी और 'इंडि' गठबंधन के कई घटक दलों के नेता भी थे।

राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष ने आरोप लगाया, हम सबने इसलिए वाकआउट किया क्योंकि प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा पर जवाब देते हुए कुछ गलत बातें सदन में रखीं। झूठ बोलना, लोगों को भ्रमित करना उनकी आदत है।

उनका कहना था, ''मैं सिर्फ इतना कहना चाहता था कि संविधान आपने नहीं बनाया, संविधान के आप लोग विरोधी थे। मैं यह बात सदन में उनके सामने रखना चाहता था।'' उन्होंने दावा किया, 'राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के मुखपत्र ऑर्गेनाइजर' के संपादकीय में 30 नवंबर, 1950 में लिखा गया था कि भारत के इस नए संविधान में सबसे बुरी बात है कि इसमें भारतीय कुछ भी नहीं है।

खरगे ने यह दावा भी किया कि जनसंघ और उससे जुड़े संगठनों ने संविधान का विरोध किया था तथा पंडित जवाहरलाल नेहरू और बाबासाहेब भीमराम आंबेडकर के पुतले जलाए थे। उनका कहना था, प्रधानमंत्री हमें संविधान विरोधी कह रहे हैं जबकि ये लोग संविधान के जन्मजात विरोधी हैं।

सुविचार

झूठे व्यक्ति की ऊंची आवाज सच्चे व्यक्ति को चुप करवा देती है लेकिन सच्चे व्यक्ति का मौन झूठे व्यक्ति कि नींव तक हिला देता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

प्रदर्शन का मूल्यांकन करें

केंद्र सरकार ने सभी मंत्रालयों से यह कहकर बहुत महत्त्वपूर्ण मुद्दे का उल्लेख किया है कि अपने कर्मचारियों के कार्य का समय से मूल्यांकन करें, ताकि खराब प्रदर्शन वालों को समय से पहले सेवानिवृत्त किया जा सके। बेशक देश के विकास में मेहनती, ईमानदार और समय के पाबंद सरकारी कर्मचारी बहुत महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। महानगरों से लेकर दूर-दराज के इलाकों तक सरकारी सेवाओं और सुविधाओं को सही तरीके से पहुंचाने वाले सरकारी कर्मचारियों की कर्तव्यनिष्ठा की सराहना की जानी चाहिए। इसके साथ ही ऐसे कर्मचारियों के खिलाफ उचित कार्रवाई भी होनी चाहिए, जो अपने कर्तव्यों का निर्वहन सही ढंग से नहीं करते हैं। इस मामले में सरकार को सख्ती दिखाने की जरूरत है। उसे चाहिए कि शहरों से लेकर गांव-ढाणियों तक हर सरकारी दफ्तर में कार्यरत कर्मचारियों के प्रदर्शन का मूल्यांकन करे और उसके अनुसार कार्रवाई करे। सरकारी कर्मचारी ही वह कड़ी होता है, जो सरकारी सेवाओं को जनता तक पहुंचाता है। यह उचित ही है कि उसे जरूरी सुरक्षा और सुविधाएं मिलें। उसकी मेहनत और ईमानदारी का सम्मान किया जाए, लेकिन जो व्यक्ति इस तंत्र का हिस्सा बनकर वेतन समेत सुविधाएं तो सब ले और काम में लापरवाही बरते, उसका भार देश के खजाने पर क्यों पड़े? अगर एक आम आदमी से पूछेंगे तो उसकी कई शिकायतें हैं, जो अपनी जगह वाजिब भी हैं, जैसे- कुछ सरकारी कर्मचारी समय पर दफ्तर नहीं आते, काम को टालते रहते हैं, अगर उनसे विनम्रतापूर्वक कुछ पूछते हैं तो सीधा जवाब नहीं देते, छोटे से काम के लिए भी अनावश्यक चक्कर लगवाते रहते हैं, लंच टाइम के बाद बहुत देर से लौटते हैं ...।

वित्तीय सेवाएं उपलब्ध कराने वाले एक संस्थान के बारे में सोशल मीडिया पर लोगों की राय पढ़ेंगे तो हैरान रह जाएंगे। वहां बहुत बड़ी तादाद में लोग 'असंतुष्ट' नजर आएंगे। उनमें से कई लोग यह बात खुलकर स्वीकार करते हैं कि उन्होंने उस दफ्तर के कुछ कर्मचारियों के सुस्त रवैए और टालमटोल की आदत से परेशान होकर सेवाएं लेनी ही बंद कर दीं। उसके बाद वे निजी सेवा प्रदाता से जुड़े, जिसकी सेवाएं तुलनात्मक रूप से बहुत अच्छी हैं। सवाल है- जब जनता-जनार्दन अपने वोट से पंचायत से लेकर संसद तक प्रतिनिधि भेज सकती है, सरकार बना सकती है, उसके प्रदर्शन का मूल्यांकन कर सकती है, तो वह सरकारी कर्मचारियों के प्रदर्शन का मूल्यांकन क्यों नहीं कर सकती? उसे इतना अधिकार जरूर मिलना चाहिए कि जो कर्मचारी अपने कर्तव्यों में लापरवाही बरते, समय पर काम न करे, अभद्र व्यवहार करे, अनावश्यक चक्कर लगवाए ... उसकी रिपोर्ट (जनता के जरिए) संबंधित उच्चाधिकारियों के पास जाए और उस कर्मचारी को वेतन वृद्धि समेत मिलने वाली अन्य सुविधाओं में कटौती की जाए। अगर फिर भी प्रदर्शन में सुधार न हो तो अनिवार्य रूप से सेवानिवृत्ति दे दी जाए। इस समय जब हम तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहे हैं, तब हमें उन देशों के अनुभवों से जरूर सीखना चाहिए, जिनका इस क्षेत्र में प्रदर्शन हमारे प्रदर्शन से बेहतर है। सरकार को चाहिए कि वह सरकारी दफ्तरों में एआई समेत अत्याधुनिक तकनीक को ज्यादा से ज्यादा लागू करे। जितनी भी सेवाएं हैं, उन सबको ऑनलाइन कर दे। भ्रष्टाचार के मामलों में कठोर दंड का प्रावधान हो। आम आदमी को ज्यादातर सुविधाएं घर बैठे मिलें। सरकारी तंत्र में ऊर्जा आए। सुस्ती और टालमटोल के लिए कहीं कोई जगह न रहे। इसके साथ ही ऐसे सोशल मीडिया अकाउंट्स पर रोक लगाई जाए, जिन पर कुछ सरकारी कर्मचारी वीडियो आदि पोस्ट कर खुद को किसी सेलिब्रिटी की तरह पेश करते हैं। उनके सोशल मीडिया अकाउंट्स पर सिर्फ सरकारी योजनाओं और जनजागरूकता संबंधी सामग्री होनी चाहिए। सशक्त और समृद्ध भारत के निर्माण के लिए सरकार को यह कदम दृढ़ता से उठाना होगा।

ट्वीटर टॉक

राहुल गाँधी को संसद के नियमों का कोई लोड नहीं है। वो हर नियम तोड़ेगा और नेता प्रतिपक्ष की गरिमा शपथ से पहले से ही गिरा चुका है। ये डरपोक और फट्टू है जो योजना बना कर, पीछे रहता है।

– अजीत पंवार

हिंदू भारत की मूल आत्मा है। हिंदू सहिष्णुता, उदारता और कृतज्ञता का पर्याय है। गर्व है कि हम हिंदू हैं! मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति में डूबी हुई, स्वयं को 'एक्सीडेंटल हिंदू' कहने वाली जमात के 'शहजादे' को यह बात भला कैसे समझ आएगी? आपको विश्व के करोड़ों हिंदुओं से माफी मांगनी चाहिए राहुल जी! आपने आज एक समुदाय को नहीं, भारत माता की आत्मा को लहूलुहान किया है।

–योगी आदित्यनाथ

प्रेरक प्रसंग

जो होता है अच्छे के लिए होता है

एक राजा अपने मंत्री के साथ आखेट पर निकले। वन में हिरन को देख राजा ने तीर प्रत्यंचा पर चढ़ाया ही था कि जंगल में से एक सूअर निकला और राजा को धक्का देकर भागा। इस अप्रत्याशित आघात के कारण तीर की नोक से उनकी उंगली कट गई। रक्त बहने लगा और राजा व्याकुल हो उठे। राजा की उंगली से खून बहता देखकर मंत्री बोले- 'राजन्! भगवान जो करता है, अच्छे के लिए करता है। राजा काफी पीड़ा में थे। मंत्री की बात सुनकर क्रोध से भर उठे। उन्होंने मंत्री को आज्ञा दी कि वो उसी समय उनका साथ छोड़ अन्य राह पकड़ लें। मंत्री ने आदेश को सहर्ष स्वीकार किया और भिन्न दिशा में निकल पड़े। इधर राजा थोड़ा आगे बढ़े ही थे कि उन्हें जंगल में नरभक्षी कबीले के लोगों ने घेर लिया। वे उन्हें पकड़कर अपने सरदार के पास ले चले। राजा को बलि देने की तैयारी हो ही रही थी कि कबीले के पुजारी ने राजा की कटी उंगली देखकर कहा कि इसका तो अंग भंग है, इसकी बलि स्वीकार नहीं हो सकती। राजा को जीवनदान मिला तो उन्हें तुरंत मंत्री की याद आई। सोचने लगे कि मंत्री ठीक कहते थे – भगवान जो करता है, अच्छे के लिए ही करता है। मुझे उनका साथ नहीं छोड़ना चाहिए था । ऐसा सोचते वे आगे बढ़ रहे थे कि उन्हें मंत्री नदी किनारे भजन करते दिखाई पड़े। राजा ने प्रेमपूर्वक मंत्री को गले लगाया और उन्हें सारा घटनाक्रम कह सुनाया। इसके बाद राजा ने उनसे प्रश्न किया- मेरी उंगली कटी, इसमें भगवान ने मेरा भला किया, पर तुम्हें मैंने अपमानित करके भगाया, इससे भला तुम्हारा क्या भला हुआ ? मंत्री मुस्कराए और बोले – राजन् ! यदि आपने मुझे भिन्न राह पर न भेजा होता और मैं आपके साथ होता तो अंग भंग के कारण नरभक्षी आपकी बलि न देते, पर मेरी बलि चढ़नी सुनिश्चित थी। इसलिए भगवान जो करते हैं, अच्छा ही करते हैं।

सामयिक

हाथरस हादसे में मौतों की जवाबदेही तय हो

ललित गर्ग
मोबाइल : 9811051133

उत्तर प्रदेश के हाथरस में मंगलवार को एक सत्संग के समापन के बाद मची भगदड़ में एक सौ इक्कीस लोगों के मरने एवं सैकड़ों लोगों के घायल होने की हृदयविदारक, दुःखद एवं दर्दनाक घटना ने पूरे देश को विचलित किया है। ऐसी घटनाएं न केवल प्रशासन की लापरवाही एवं गैर जिम्मेदारी को उजागर कर रही है बल्कि धर्म के नाम पर पनप रहे आडम्बर, अंधविश्वास एवं पाखण्ड को भी उजागर कर रही है। ऐसी त्रासदियां एवं दिल को दहलाने देने वाली घटनाओं से जुड़े पाखण्डी बाबाओं की कारगुजारियों से हिन्दू धर्म भी बदनाम हो रहा है, जबकि सैकड़ों लोगों की जान लेने वाले बाबा को हिंदू धर्म से जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए। यह हादसा अनेक सवालों को खड़ा करता है, बड़ा सवाल है कि ऐसे बड़े आयोजन में सुरक्षा उपायों की अनदेखी क्यों होती है? सवाल उठता है कि इतना बड़ा आयोजन बिना पुख्ता इंतजाम के किसकी अनुमति से किया जा रहा था? क्या सुरक्षा मानकों का पालन किया गया? क्या इतने बड़े आयोजन की सुरक्षा का जिम्मा पुलिस-प्रशासन का नहीं होता? क्या आयोजन-स्थल पर निकास द्वार, पानी, हवा, वैकल्पित चिकित्सा एवं चिकित्सक, गर्मी से बचने के पुख्ता इंजताम जरूरी नहीं थे? जवाबदेही तय हो भगदड़ में गयी जानों की। जाहिर है मौतों के बढ़ते आंकड़ों के साथ ही घटना पर लीपापोती की कोशिश भी जमकर होगी, राजनीतिक दल एक-दूसरे को जिम्मेदार ठहराते हुए जमकर राजनीति भी करेंगे। यह तय है कि ऐसे बाबाओं की दुकान बिना राजनेताओं के वरदहस्त के चलनी संभव नहीं है। हाथरस के सिकंदराराऊ के निकट फुलरई के एक खेत में कथित हरि बाबा के एक दिवसीय सत्संग के दौरान यह हादसा हुआ। इस बाबा से जुड़ी बातें विसंगतियों से भरी है। सफ़ेद कोट-पेंट, टाई पहनने वाला यह बाबा कोई पंडित नही है न साधु संत है, यह जूता पहनकर प्रवचन देता था। इस बाबा को कितने वेद पुराण का ज्ञान है? यह किस परंपरा से है? इसके गुरु कौन हैं? ऐसे अनेक प्रश्न है जो बाबा को शक एवं संदेह के घेरे में लेते हैं। इन्हें हिन्दू बाबा कैसे कहा जा सकता है? हिंदू धर्म में ऐसा कहां होता है? यह बाबा पहले पुलिस सेवा में थे और जिनका मैनपुरी में भव्य एवं महलनुमा

आश्रम है। घटना के बाद बाबा फरार है। पुलिस उसकी तलाश में जुटी है। भारत में भोली-भाली जनता को ठगने एवं गुमराह करने वाले ऐसे पाखण्डी बाबाओं की बाढ़ आई हुई है। इस तरह की घटनाएं केवल जनहानि का कारण ही नहीं बनतीं, बल्कि देश एवं धर्म की बदनामी भी कराती हैं। इन घटनाओं पर पीड़ितों के प्रति संवेदना व्यक्त करने के बजाए राजनीति करना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है और निंदनीय भी।

हाथरस की घटना कितनी अधिक गंभीर एवं चिन्ताजनक हैं, इसका अनुमान इससे लगाया जा सकता है कि प्रधानमंत्री ने लोकसभा में अपने संबोधन के बीच इस हादसे की जानकारी दी एवं शोक-संवेदना व्यक्त की। दुनिया भर में इस घटना को लेकर दुःख जताया जा रहा है। यह तय है कि हाथरस में इतनी अधिक संख्या में लोगों के मारे जाने पर शोक संवेदनाओं का तांता लगेगा, लेकिन क्या ऐसे हादसों को नियंत्रित करने वाले ऐसे कोई उपाय भी सुनिश्चित कर सकेंगे, जिससे भविष्य में देश को शर्मिंदा करने वाली ऐसी घटना न हो सके? प्रश्न यह भी है कि आखिर धार्मिक आयोजनों में धर्म-कर्म का उपदेश देने वाले लोगों को संयम और अनुशासन की सीख क्यों नहीं दे पाते? कब तक ऐसे आयोजन धन कमाने के माध्यम बनते रहेंगे, जब जब धर्म का ऐसे पाखण्ड एवं पाखण्डियों से गठबंधन हुआ है, तब तक धर्म अपने विशुद्ध स्थान से खिसका है। यह प्रश्न इसलिए, क्योंकि कई बार ऐसे आयोजनों में भगदड़ का कारण लोगों का असंयमित व्यवहार भी बनता है। ऐसा लगता है कि अपने देश में धार्मिक-सामाजिक आयोजनों में कोई इसकी परवाह नहीं करता कि यदि भारी भीड़ के चलते अव्यवस्था फैल गई तो उसे कैसे संभाला जाएगा? क्या इसलिए कि प्रायः मारे जाने वाले लोग निर्धन एवं गरीब वर्ग के होते हैं?

एक डरावनी एवं संवेदनहीन हकीकत है कि हम ऐसे धर्म एवं धार्मिकता से जुड़े पिछले हादसों से कोई सबक नहीं सीखते। हाल के दिनों में भीड़भाड़ वाले धार्मिक आयोजनों में भगदड़ में लोगों के मरने के मामले लगातार बढ़े हैं। सवाल उठना स्वाभाविक है कि भीड़ के बीच होने वाले हादसों को कैसे रोका जाए। दो साल पहले माता वैष्णो देवी परिसर में भगदड़ में बारह श्रद्धालुओं की मौत हुई थी। अप्रैल 23 में बनारस की भगदड़ में 24 लोग मरे थे। खाटू श्याम में भी भीड़ में दब कर 4 लोगों की मौत हुई। इंदौर में पिछले साल रामनवमी के दिन बावड़ी की छत गिरने से पैंतीस लोग मर गये थे। इसी तरह 2016 में केरल के कोल्लम के एक मंदिर में आग लगने से 108 लोगों की मौत हुई और दौ से अधिक घायल हुए थे। पंजाब के अमृतसर में दशहरे के मौके पर रावण दहन देख रहे साठ लोगों के ट्रेन से कुचलकर मरने की घटना को नहीं भूले हैं। देश में भीड़ की भगदड़ से होने वाले 70 फीसदी हादसे धार्मिक आयोजनों के दौरान ही होते हैं। हाल में दुनिया का सबसे बड़ा धार्मिक स्थल से जुड़ा हादसा मुसलमानों के पवित्र स्थल मक्का में हुआ, जहां हज यात्रियों पर गर्मी का सितम इस कदर कहर बना कि 900 से ज्यादा मौतें हुई, जिनमें 90 भारतीय ने भी जाने गंवाई।

विडम्बना है कि इन बड़े-बड़े हादसों से न तो जनता कुछ सीख लेती और न ही प्रशासन। यह हैरानी की बात है कि किसी ने यह देखने-समझने की कोई कोशिश नहीं की कि भारी भीड़ को संभालने की पर्याप्त व्यवस्था है या नहीं? यह मानने के अच्छे-भले कारण हैं कि इस आयोजन की अनुमति देने वाले अधिकारियों ने भी कागजी खानापूर्ति करके कर्तव्य की इतिश्री कर ली। यदि ऐसा नहीं होता तो किसी ने इस पर अवश्य ध्यान दिया होता कि आयोजन स्थल के पास का गड्ढा लोगों की जान जोखिम में डाल सकता है। जैसे-जैसे जीवन में धर्म का पाखण्ड फैलता जा रहा है, सुरक्षा उतनी ही कम हो रही है, जैसे-जैसे प्रशासनिक सर्तकता की बात सुनाई देती है, वैसे-वैसे प्रशासनिक कोताही के सबूत सामने आते हैं, ऐसे आयोजनों में मरने वालों की संख्या बढ़ रही है, लेकिन हर बड़ी दुर्घटना कुछ शोर-शराबें के बाद एक और नई दुर्घटना की बाट जोहने लगती है। सरकार और सरकारी विभाग जितनी तत्परता मुआवजा देने में और जांच समिति बनाने में दिखाते हैं, अगर सुरक्षा प्रबंधों में इतनी तत्परता दिखाएं तो ऐसे जघन्य हादसों की संख्या घट सकती है।

बहरहाल आने वाले दिनों में जांच के बाद किसी के सिर पर लापरवाही का ठीकरा फोड़ा जाएगा। मगर इन मौतों का कसूरवार कौन है? जिन लोगों ने अपनों को खोया है, उनकी कमी कैसे पूरी होगी? कहा जा रहा है कि यह एक निजी कार्यक्रम था, कानून व्यवस्था के लिये प्रशासन की ड्यूटी लगाई गई थी, लेकिन आयोजन स्थल पर भीतरी व्यवस्था आयोजकों के द्वारा की जानी थी। अब बड़े अधिकारियों का घटना स्थल पर जाने का सिलसिला शुरू हो चुका है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी घटनास्थल पर पहुंच चुके हैं। उनके तीन मंत्री पहले से वहां पहुंचे हुए है। इस एवं इससे जुड़ी कार्रवाइयों से संतुष्ट नहीं हुआ जा सकता कि उत्तर प्रदेश सरकार ने घटना की जांच के आदेश दे दिए हैं और दोषी लोगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है, क्योंकि आमतौर पर यही देखने में आता है कि इस तरह के मामलों में कार्रवाई के नाम पर कुछ अधिक नहीं होता। इसी कारण रह-रहकर ऐसी घटनाएं होती रहती हैं और उनमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु अपनी जान गंवाते हैं। इसके बावजूद कोई सबक सीखने को तैयार नहीं दिखता है। धार्मिक आयोजनों में अव्यवस्था और अनदेखी के चलते लोगों की जान जाने के सिलसिले पर इसलिए विराम नहीं लग पा रहा है, क्योंकि दोषी लोगों के खिलाफ कभी ऐसी कार्रवाई नहीं की जाती, जो नजीर बन सके।

नजरिया

शिक्षा की सही राह

दिनेश प्रताप सिंह 'चित्रेश'
मोबाइल : 7379100261

पिछले दिनों एक किताब मिली-'शिक्षा के पथ पर' यह एक प्राथमिक शिक्षक के स्कूली अनुभवों का चमत्कृत करने वाला दस्तावेज है। 'अपनी बात' में वह स्पष्ट करते हैं-'एक अच्छा शिक्षक अपने विद्यार्थियों में न केवल विषय के प्रति ललक व समझ पैदा करता है बल्कि, सोचने के नवल रास्ते भी खोलता है। वह बच्चों में अनुमान, अनुसंधान, अवलोकन की सम्यक दृष्टि विकसित करता है...।' किन्तु क्या यह परम्परागत शैक्षिक अनुदेशों से संभव है ? इसका उत्तर सिर्फ नकारात्मक ही हो सकता है। इसके लिए तो नए रास्ते खोजने होंगे। इसी राह की खोज का संघर्ष और बेचैनी पुस्तक के इक्कीस लेखों का उत्स है।

इसकी भूमिका प्रेमपाल शर्मा ने लिखी है, जो कथाकार के साथ-साथ गांधीजी की नई तालीम से प्रभावित लोकतान्त्रिक मूल्यों की अपनी शिक्षा सम्बन्धी टिप्पणियों के लिए भी जाने-पहचाने जाते हैं। 'सही शिक्षा का रास्ता' में उन्होंने राधाकृष्णन आयोग, कोठरी आयोग, यशपाल समिति, एनसीएफ-2005 से लेकर एनईपी-2020 का जिक्र करते हुए बताया है कि इसके बाद भी शिक्षक का बच्चों से कहना...कल जो मैंने लिखाया है उसे रटकर आना। 'सचमुच अफसोस-जनक।'...क्योंकि रटना और सूचनाओं को ज्ञान समझना तो लार्ड मैकाले की शिक्षा नीति की देन है, फिर इतने आयोगों और समितियों क्या असर हुआ...?

वह आगे लिखते हैं- दो तरह की दुनिया है। एक प्रतिष्ठित अकादमियों, प्रोफेसरों की जिन्होंने लंदन-अमेरिका में डिग्री पायी है और सभी ने अंग्रेजी में ही पायी है। वह कई बार वैसे ही इस देश की शिक्षा के लिए समाधान बताते हैं। उनके पास इस लेखक जैसा अनुभव नहीं होता जो जमीनी स्तर पर उस भाषा-बोली, उनकी गरीबी, उनके रोजाना के जीवन को जानता हो? इसीलिए शिक्षा के मसले इनके प्रतिवेदन रोजाना की समस्याओं से उतना ही दूर होता है जितना पृथ्वी से चंद्रमा और इसीलिए हर रिपोर्ट का अंजाम वही ढाक के तीन पात।'...

2शिक्षा के पथ पर' मूलतः पढ़ाई-लिखाई को उसके सही रूप में लाने की एक रचनात्मक पहल है। आजादी के बाद शिक्षा का ढांचा कुछ इस तरह गढ़ा गया कि लोकतान्त्रिक मूल्यों के पोषण में यह पिछड़ती चली गई है। बच्चों की समझ को दिशा, गति और प्रोत्साहन देने के बजाय यह रटकर ढेरों नंबर लाने पर केंद्रित हो चुकी है। पुस्तक के पहले लेख भाषा की कक्षा में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता एवं अवसर' में लेखक गाय पर निबंध याद करके आने का नहीं, बल्कि अपने परिवार-परिवेश के बीच से गाय पर निबंध खोजकर लाने का टास्क बच्चों के सामने रखता है। फिर बच्चे गाय पर अलग-अलग निबंध लेकर आते हैं। क्योंकि बच्चों में निबंध की समझ विकसित हो चुकी थी। यह एकदम से जादू के जोर से नहीं हो गया। लेखक ने बच्चों से वार्तालाप किया, वह भी उनकी स्थानीय बोली में। जोकि समझ विकसित करने की सबसे सशक्त माध्यम होती है। उनकी पसंद और परिवेश की बातें की। उनको अभिव्यक्ति के पर्याप्त अवसर दिए। उन्हें स्कूली अनुशासन के भय और जड़ता से मुक्त किया। अपनी शिक्षकीय दक्षता से बच्चों में उत्साह जगाया, तब जाकर यह हो पाया। यह उसी के लिए संभव है, जिसे बाल मनोविज्ञान की समझ हो और उसमें इतनी कल्पनाशीलता हो कि वह पाठ को स्थानीय परिवेश से जोड़ सके।

एक उच्च प्राथमिक विद्यालय, जहां मार-कुटाई की पीड़ादायक ध्वनियों के बीच बच्चे भय से घिरे रहते थे, वहीं लेखक के प्रयास से बाल संसद की स्थापना के साथ उल्लास, आत्मविश्वास और सर्जनात्मकता की धारा उमड़ पड़ी। बच्चों ने बेकार पड़े निमंत्रण पत्र वगैरह से राखियाँ बनाया, खण्ड विकास अधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर विद्यालय में पेयजल के लिए नल लगवा लिया, गाँव में प्रस्तावित एक बाल विवाह रुकवाया, लैंगिक पूर्वाग्रह खत्म करवाया। आज विद्यालय की साज-सज्जा से लेकर दीवार पत्रिका प्रकाशन का कार्य बाल संसद की विभिन्न समितियाँ देखती हैं। यह संवाद, प्रेरणा और प्रोत्साहन से संभव हुआ। बच्चे एक बार संगठन की ताकत पहचान पाए तो फिर पीछे मुड़कर देखना उन्हें गँवारा न हुआ। वास्तव में शिक्षक शिक्षण-प्रक्रिया में थोड़ा लचीलापन लाए, कुछ विविधता और नए पन को स्थान दे। बच्चों को स्वयं काम करने की छूट मिले, अध्यापक सुगमकर्ता की भूमिका तक अपने को सीमित कर लें। फिर देखें वे क्या से क्या कर सकते हैं, आप उनकी रचनात्मकता का अंदाजा भी नहीं लगा पाएंगे।

बालिकाओं में शिक्षा के प्रति रुचि जगाता 'मीना मंच' मूलतः यूनिसेफ प्रायोजित बालिका शिक्षा एवं बालिका सशक्तीकरण के प्रकल्प मीना मंच' के उद्भव एवं विकास का रोचक तथ्यात्मक आलेख है। यह मंच अपने आप में बालिकाओं की छिपी प्रतिभा को सामने लाने, नेतृत्व क्षमता संवर्धन, लैंगिक पूर्वाग्रह-विशेषकर लड़कियों को कमतर आँकने की मानसिकता, पोषण, स्वास्थ्य, शिक्षा और अभिव्यक्ति के समान अवसर का प्रेरक है। 'महिला शिक्षा : अतीत से वर्तमान तक' शीर्षक से ध्वनित भावार्थ के अनुसार बृहत्तर संदर्भों के साथ स्त्री शिक्षा पर प्रकाश डालता है।

आज विद्यालय और समाज के बीच दूरी बन गयी है। इससे कभी-कभी अप्रिय स्थितियाँ पैदा हो जाती हैं। और ताला खुल गया' में ऐसी ही असामान्य स्थिति है। गाँव वालों ने स्कूल की दुर्दशा से क्षुब्ध होकर विद्यालय के मुख्य द्वार पर ताल लगा दिया था। लेखक शिक्षक के साथ विकास खण्ड संसाधन केंद्र में सह समन्वयक भी था, इसलिए इसे सुलझाने के लिए उसे मौके पर जाना पड़ा। विषय के अनुरूप इसमें एक सनसनी है। ऐसे मामले में सुलह-समझौते के प्रयास के बीच फूँक-फूँक कर कदम रखना पड़ता है। समुदाय की पूरी बात सुनना, रुचि लेकर मामले की तह तक जाना, असहमति की स्थिति में अभिव्यक्ति पर काबू रखना जैसी रणनीति से मामले सुलझते हैं। यहाँ भी संवाद से राह खुली और अपेक्षाकृत बेहतरी आई।

आज की तारीख में सरकारी प्राथमिक शिक्षा के समक्ष जो चुनौतियाँ हैं, जैसी जड़ता और पुरातनपंथी सोच के बीच यह सरक रही है, उसके विरोधाभाषी चित्रों के कोलाज इस पुस्तक में लेख दर लेख समाहित हैं। एनसीएफ-2005, शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009, बाल केंद्रित शिक्षा, खेल-गतिविधि और गीत आधारित शिक्षा, बच्चों से संवाद जैसे कई मामले हैं, जिससे शिक्षक ही असहमत होते हैं। इसे वह किताबी ज्ञान बताते हैं। इससे उन्हें अनुशासन भंग होने का डर सताने लगता है। कहीं-कहीं तो हंसी-खुशी वाली पढ़ाई का विरोध समुदाय के लोग ही करते हैं। बदलाव की आधारभूमि बनती दीवार पत्रिका' के सामने समुदाय ही प्रश्न खड़ा करने लगता है। दीवार पत्रिका स्कूलों में प्रयोगधर्मी शिक्षकों का एक महत्वपूर्ण अभियान है। बच्चे इससे जुड़कर सृजन, अभिव्यक्ति, समायोजन, सहयोग और सामूहिकता का पाठ पढ़ते हैं। यह अनुभवों के बांटने-सुनने का उपक्रम है। किन्तु पूर्व माध्यमिक विद्यालय, बरेहंडा की दीवार पत्रिका का अंक लोकगीत' पर केंद्रित हुआ तो समुदाय के लोग भड़क गये। क्योंकि लोगों ने बच्चों को पढ़ने के लिए स्कूल भेजा था; सोहर, फाग, चैती, बिरहा जैसी गँवारू गवनई सीखने नहीं ! उनको यह समझना आसान नहीं था कि परम्परागत गीत-गवनई, किस्सा-कहानी, लोककला वगैरह हमारी सांस्कृतिक धरोहर हैं और हमारे जीवन और समाज को भटकाव से बचा रखने में इनका बड़ा महत्व है। लोग समझ पाए तो सहयोग के लिए भी आगे आये।

दिक्कत यह भी है कि आज विद्यालयों में पर्याप्त अध्यापक नहीं हैं। पढ़ाई-लिखाई का ढर्रा बदल रहा है। सरकारी शिक्षा से जन विश्वास करीब-करीब समाप्त हो चुका है। इसे पुनः बहाल करने के लिए शिक्षा के साथ समुदाय की भागीदारी भी आवश्यक है। शिक्षा के नए पैटर्न को लेकर समुदाय में उत्साह नहीं है। वहीं पुराने अध्यापक बदलते हुए परिदृश्य को स्वीकार नहीं कर पा रहे हैं। नए अध्यापकों पर सारा दारोमदार है किन्तु, अनुभव की कमी के चलते उनके प्रयास प्रभान्विति की पूर्णता की दिशा में कमजोर सिद्ध हो रहे है। बच्चों की रचनात्मकता में बाधक 'होमवर्क', कक्षा में बच्चों से 'बातचीत', 'शैक्षिक संसाधन और गुणवत्ता : कुछ जरूरी प्रश्न', प्राथमिक शिक्षा में विज्ञान शिक्षण की चुनौती भरी राह' में शिक्षा से जुड़ी जटिलताओं का प्रति संसार पूरी कठोरता के साथ सामने आया है।

होमवर्क एक विवादास्पद मुद्दा है। एनसीएफ-2005 बच्चों को परिवेश से जोड़कर मौलिक सोच-विचार के अवसर उपलब्ध कराने की अनुशंसा करता है। जबकि गृहकार्य रटने और नकल उतारने पर आधारित होता है। शिक्षा का अधिकार अधिनियम-2009 अध्यापक से आपेक्ष करता है कि वह बच्चों की प्रश्नाकुलता को बढ़ाये, ताकि उसके अन्दर अपने परिवेश और पाठ्यक्रम के विषय में सवाल उठाने की ललक जाग जाय। इसके लिए कक्षा में खुलकर वार्तालाप आवश्यक होता है। शिक्षाशास्त्र की भाषा में इसे 'अन्तर्क्रिया' कहा जाता है। किन्तु छात्र के विवेकीकरण का यह तरीका न वरिष्ठ शिक्षक पसंद करते हैं और न ही समुदाय! यह विषम स्थिति शिक्षक को हतोत्साहित करने के लिए पर्याप्त होती है। आज विद्यालयों में एक शिक्षक तो विभाग से मांगी जाने वाली अनावश्यक सूचनाओं के बीच ही फँसकर रह जाता है। बड़ा सवाल है कि शेष अध्यापक शिक्षण कार्य करें या शैक्षिक परिदृश्य में व्याप्त गतिरोध से जूझें।

बच्चों की रचनात्मकता को दिशा देती 'दीवार पत्रिका' श्रेष्ठ एवं दस्तावेजी महत्व का आलेख है। यह दीवार पत्रिका की अवधारणा को सामने लाता है। 'शैक्षिक संसाधन और गुणवत्ता : कुछ जरूरी प्रश्न' में सह समन्वयक रहते हुए स्कूल में सुधार लाने के प्रयास के बीच सफलता-असफलता का उतार-चढ़ाव उपस्थित है। सकारात्मक तथ्य यह है कि अंततः यह सोच उभरकर सामने आयी-'शैक्षिक गुणवत्ता केवल संसाधनों पर निर्भर नहीं है। सबसे बड़ा संसाधन शिक्षक होता है।' एक अन्य लेख सीखने-सिखाने की प्रक्रिया को गति देते हैं समूह गीत' पुस्तक के लिए प्राणवान बन पड़ा है। किसी संगोष्ठी, प्रशिक्षण या पाठ की प्रस्तुति में गीत का प्रासंगिक उपयोग एक जीवंत माहौल बना देता है। बच्चों को तो गीतों के प्रति इतना लगाव होता है कि कई बार वे खेल-खेल में गीत गढ़ लेते हैं। 'विज्ञान की कक्ष में एक दिन' और रोचक गतिविधियों द्वारा 'भाषा शिक्षण : एक प्रयोग' शिक्षा को गतिशील बनाने और खोजकर ज्ञानार्जन के सुंदर अभिकल्प हैं।

पुस्तक में गिजुभाई बधेका : शैक्षिक प्रयोगों का धनी व्यक्तित्व' एक परिचयात्मक शब्दचित्र है। यह उनके सौ साल पहले के क्रांतिकारी शैक्षिक क्रिया-कलापों का लेखा-जोखा प्रस्तुत करता है। दिवास्वप्न' गिजुभाई की बाल हितैषी शिक्षा दर्शन पर आधारित एक उत्कृष्ट उपन्यास है। शिक्षक के बनने में किताबों की भूमिका : मेरे अनुभव' में लेखक का है। गिजुभाई की 'दिवास्वप्न', ए. एस. नील की 'समरहिल', जॉन हाल्ट की 'शिक्षा के बजाय' पढ़कर वह अपने कार्य-व्यवहार और शिक्षण पद्धति का स्वमूल्यांकन करता है। सुशील जोशी की 'जश्न-ए-तालीम' से लेखक की शिक्षण पद्धति में सुधार हुआ और वह पूर्व तैयारी के साथ कक्षा में जाना आरंभ किया।

पुस्तक की सामग्री कक्षा शिक्षण, शैक्षिक भ्रमण, पर्यवेक्षण और स्वाध्याय के क्रियात्मक अनुभव पर आधारित है। इन्हें हम शब्दचित्र कह सकते हैं। भाषिक भंगिमा की दृष्टि से इसमें ललित निबंध के गुण भी हैं। घोषित रूप में यह लेख हैं किन्तु, इसमें कहानी, संस्मरण और रिपोर्ताज के तत्व मौजूद हैं। यह एक नवाचारी शिक्षक की गतिविधियों को सामने लाकर सरकारी शिक्षा के प्रति विश्वास रचती है। इस प्रकार के साहित्य में विषय और भाव की प्रधानता होती है। आंगिक अनुपात, केन्द्रीयता, पुनरुक्ति, लयात्मकता की शास्त्रीय सीमाओं में इसे बांधना मेरी दृष्टि में उचित नहीं है। इसका पठनीय और रोचक होना ही पर्याप्त है। शिक्षकों के लिए तो यह एक जरूरी किताब है ही, शिक्षा में रुचि रखने वाले पाठकों और अभिभावकों को भी इसे पढ़ना चाहिए।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ब्रिटेन के आम चुनाव में इस बार भारतीय मूल के उम्मीदवारों की बड़ी संख्या में जीत की उम्मीद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लंदन/भाषा। ब्रिटेन में बृहस्पतिवार को होने वाले आम चुनाव में देश के इतिहास में अब तक की सबसे विविध संसद देखने को मिल सकती है, जिनमें देशभर से भारतीय मूल के सांसदों की अच्छी-खासी संख्या हो सकती है। 'ब्रिटिश फ्यूचर' थिंक टैंक के एक विश्लेषण के अनुसार, अगर लेबर पार्टी बहुमत हासिल करती है तो उसमें जातीय अल्पसंख्यक सांसदों की अभी तक की सबसे अधिक संख्या हो सकती है। विश्लेषण में कहा गया है कि इस बार करीब 14 प्रतिशत सांसद जातीय अल्पसंख्यक समुदायों के थे, जबकि नई संसद में उनकी संख्या अधिक रह सकती है।

ब्रिटिश फ्यूचर के निदेशक सुंदर कटवाला ने कहा, इस चुनाव में जातीय अल्पसंख्यक प्रतिनिधित्व में बड़ी वृद्धि दिखेगी और यह अब तक की सबसे विविध संसद होगी। वर्ष 2019 में हुए पिछले आम चुनाव में भारतीय मूल के 15 सांसद चुने गए थे, जिनमें से कई दोबारा चुनाव लड़ रहे हैं। उनके अलावा भारतीय मूल के कई लोग पहली बार आम चुनाव लड़ रहे हैं। प्रतिष्ठित ब्रिटिश भारतीयों में से एक कंजर्वेटिव पार्टी के सांसद आलोक शर्मा और लेबर पार्टी के वरिष्ठ नेता वीरेंद्र शर्मा इस बार क्रमश: रीडिंग वेस्ट और इलींग साउथल से पुन: चुनाव नहीं लड़ रहे हैं।

इलींग साउथल में बड़ी संख्या में पंजाबी मतदाता हैं। वहां से इस बार दो ब्रिटिश सिख उम्मीदवार संगीत कौर भैल और जगिंदर सिंह निर्दलीयों के तौर पर चुनाव लड़ रहे हैं। बृहस्पतिवार को होने वाले चुनाव में कुछ प्रमुख ब्रिटिश भारतीय उम्मीदवारों में प्रफुल नार्गुंड शामिल हैं, जो लेबर पार्टी की टिकट पर इस्लिंगटन नॉर्थ से चुनाव लड़ रहे हैं। जस अथवाल लेबर पार्टी के गढ़ इफोर्ड साउथ से चुनाव लड़ रहे हैं, जबकि बैगी शंकर डर्बी साउथ, सतवीर कौर साउथम्पटन टेस्ट और हरप्रीत उप्पल हडर्सफील्ड से चुनाव लड़ रहे हैं। इंदौर में जन्मे राजेश अग्रवाल पहली बार लीसेस्टर ईस्ट से चुनाव लड़ रहे हैं और उनका मुकाबला एक अन्य ब्रिटिश भारतीय एवं कंजर्वेटिव पार्टी की उम्मीदवार शिवानी राजा से है।

भारतीय मूल के मतदाताओं की अच्छी-खासी तादाद वाले इस निर्वाचन क्षेत्र में मुकाबला दिलचस्प होने की उम्मीद है, क्योंकि गोवा मूल की पूर्व सांसद कीथ वाज भी यहां से निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ रही हैं। इस बीच, ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सुनक के उत्तरी इंग्लैंड में रिचमंड और नॉर्थअलर्टन की अपनी सीट बरकरार रखने की उम्मीद है। साथ ही उनके मंत्रिमंडल की पूर्व सहयोगी प्रीति पटेल के एसेक्स में विथम और सुएला ब्रेवरमैन के फारेहैम तथा वाटरलूविले में जीतने की उम्मीद है।

जयशंकर ने रूसी विदेश मंत्री के समक्ष भारतीय नागरिकों की सुरक्षा का मुद्दा उठाया

अस्ताना (कजाखस्तान)/भाषा। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बुधवार को यहां रूस के अपने समकक्ष सर्गेई लावरोव के समक्ष युद्ध क्षेत्र में रूसी सेना के लिए लड़ रहे भारतीय नागरिकों का मुद्दा उठाया और उनकी सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने का अनुरोध किया। जयशंकर शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के वार्षिक शिखर सम्मेलन में भारत का प्रतिनिधित्व करने मंगलवार को यहां पहुंचे। दोनों विदेश मंत्रियों के बीच यह मुलाकात प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात करने के लिए मॉस्को की प्रस्तावित यात्रा से पहले हुई है। अभी इस यात्रा की आधिकारिक घोषणा नहीं की गयी है लेकिन ऐसी जानकारी है कि मोदी अगले सप्ताह मॉस्को की यात्रा कर सकते हैं।

जयशंकर ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से मुलाकात कर आज खुशी हुई। हमारी द्विपक्षीय साझेदारी और समकालीन मुद्दों पर व्यापक बातचीत हुई। दिसंबर 2023 में हमारी आखिरी मुलाकात के बाद से कई क्षेत्रों में हुई प्रगति पर चर्चा की। जयशंकर ने पोस्ट में कहा, भारतीय नागरिकों को लेकर अपनी गंभीर चिंता जतायी जो अभी युद्ध क्षेत्र में हैं। उनकी सुरक्षित तथा जल्द वापसी पर जोर दिया। उन्होंने बैठक की तस्वीरें भी पोस्ट की हैं। रूस के विदेश मंत्रालय ने भी बैठक की तस्वीरों के साथ एक्स' पर ऐसा ही पोस्ट किया है। इसमें कहा गया है, रूस के विदेश मंत्री सर्गेइ लावरोव और भारत के विदेश मंत्री डॉ. सुब्रमण्यम जयशंकर ने शंघाई सहयोग संगठन की बैठक के इतर चर्चा की। रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद से ही भारत रूस से उसकी सेना द्वारा भर्ती किए भारतीय नागरिकों की सुरक्षा और देश वापसी पर जोर देता रहा है। उसने युद्ध क्षेत्र में ''भारतीयों'' के बारे में सूचना मिलने पर फौरन कार्रवाई की है। विदेश मंत्रालय ने बताया कि खबरों के अनुसार, रूसी सेना में सुरक्षा सहायक के तौर पर करीब 200 भारतीय नागरिकों को भर्ती किया गया है। जून मध्य तक यह स्पष्ट हो गया कि युद्ध क्षेत्र में चार भारतीय नागरिकों की मौत हो गयी है।

विदेश सचिव विनय क्वात्रा ने 12 जून को कहा था, पहले दिन से ही हम लगातार रूसी अधिकारियों और नेतृत्व के साथ इस मामले पर चर्चा कर रहे हैं। हमारे सभी प्रयासों का उद्देश्य भारतीयों को सुरक्षित रखना है। विदेश मंत्रालय ने दो भारतीयों की मौत की पुष्टि करते हुए कहा था कि भारत ने रूस के साथ इस मामले को दृढ़ता से उठाया है और रूसी सेना में कार्यरत सभी भारतीय नागरिकों की शीघ्र वापसी की मांग की है। भारत ने यह भी मांग की है कि रूसी सेना द्वारा भारतीय नागरिकों की आगे किसी भी भर्ती पर रोक लगायी जाए तथा ऐसी गतिविधियां हमारी साझेदारी के अनुरूप नहीं होंगी। जून मध्य तक रूसी सेना के साथ सहायक के रूप में काम करने वाले कुल 10 भारतीयों को मुक्त कर दिया गया है और भारत वापस भेज दिया गया। विदेश मंत्री जयशंकर ने लावरोव के साथ वैश्विक सामरिक परिदृश्य पर भी चर्चा की। जयशंकर ने कजाखस्तान की राजधानी में पुश्किन पार्क में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर भी श्रद्धांजलि अर्पित की। उनके साथ भारतीय समुदाय के सदस्य तथा भारत के मित्र भी कार्यक्रम में शामिल हुए। इससे पहले, विदेश मंत्री जयशंकर ने मंगलवार को यहां कजाखस्तान के उपप्रधानमंत्री मूरत नूरतलेउ से मुलाकात की और रणनीतिक साझेदारी के विस्तार तथा विभिन्न प्रारूपों में मध्य एशिया के साथ भारत की बढ़ती भागीदारी पर चर्चा की थी।

बाधाओं को लांघ कर बड़े ख्वाब के साथ आईआईएम इंदौर पहुंची दृष्टि बाधित युवती

इंदौर (मध्यप्रदेश)/भाषा। कोत्ताकापू शिवानी (21) देख नहीं सकतीं, लेकिन अपने करियर को लेकर उनकी आंखों में बड़े ख्वाब साफ देखे जा सकते हैं। बेहद कड़े मुकाबले वाले कॉमन एडमिशन टेस्ट (कैट) में कामयाब होकर इंदौर के भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएम) के दो वर्षीय पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम (पीजीपी) में दाखिला लेने वाली शिवानी का सफर जाहिर तौर पर आसान नहीं रहा है। आईआईएम इंदौर के एक अधिकारी ने बताया कि शिवानी इस संस्थान के पीजीपी पाठ्यक्रम के 482 विद्यार्थियों के मौजूदा बैच में इकलौती ऐसी विद्यार्थी हैं जो 100 प्रतिशत दृष्टि बाधित हैं। इस पाठ्यक्रम को मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एमबीए) के बराबर माना जाता है।

उन्होंने बताया कि मौजूदा पीजीपी बैच में शिवानी के अलावा तीन ऐसे विद्यार्थी हैं जिन्हें दृष्टिदोष के कारण कम दिखाई देता है। हैदराबाद से करीब 110 किलोमीटर दूर जहीराबाद से ताल्लुक रखने वाली शिवानी ने पीटीआई-भाषा'' को बताया कि उन्होंने अपने गृहनगर में सामान्य बच्चों वाले विद्यालय में पढ़ाई शुरू की, लेकिन उन्हें इसमें मुश्किल हुई क्योंकि बचपन में उन्हें न तो ब्रेल लिपि आती थी, न ही दृष्टि बाधित विद्यार्थियों के इस्तेमाल किए जाने वाले तकनीकी उपकरणों का ज्ञान था।

नेपाली कांग्रेस ने प्रचंड से इस्तीफा देने और नई सरकार का मार्ग प्रशस्त करने का किया आग्रह

सीडब्ल्यूसी की बैठक में वर्तमान राजनीतिक स्थिति और पार्टी की भविष्य की रणनीति पर की गई चर्चा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

काठमांडू/भाषा। नेपाली कांग्रेस ने बुधवार को प्रधानमंत्री पुष्प कमल दाहाल 'प्रचंड' से नई सरकार के गठन का मार्ग प्रशस्त करने का आग्रह किया। हिमालयी राष्ट्र की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी ने पूर्व गुरिल्ला नेता के नेतृत्व वाली मौजूदा सरकार को हटाने के लिए सीपीएन-यूएमएल के साथ एक दिन पहले सत्ता-साझेदारी समझौता किया है। पार्टी अध्यक्ष शेर बहादुर देउबा के बूढ़ानीलकंठा स्थित आवास पर हुई नेपाली कांग्रेस सेंट्रल वर्क परफोरमेंस कमेटी (सीडब्ल्यूसी) की बैठक में वर्तमान राजनीतिक स्थिति और पार्टी की भविष्य की रणनीति पर चर्चा की गई।

नेपाली कांग्रेस अध्यक्ष शेर बहादुर देउबा और नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी-एकीकृत मार्क्सवादी लेनिनवादी (सीपीएन-यूएमएल) के अध्यक्ष के.पी. शर्मा ओली द्वारा प्रधानमंत्री पुष्प कमल दाहाल प्रचंड' के नेतृत्व वाले सत्ताधारी गठबंधन को बदल नई सरकार बनाने के लिए सोमवार रात एक समझौते को अंतिम रूप देने के एक दिन बाद पार्टी की प्रमुख समिति की बैठक हुई। बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत में पार्टी प्रवक्ता डॉ. प्रकाश शरण महत ने कहा, सबसे बड़ी पार्टी नेपाली कांग्रेस और यूएमएल ने कहा है कि वह मिलकर नई सरकार बनाएंगे, इसलिए प्रधानमंत्री को मार्ग प्रशस्त करना चाहिए....।

माय रिपब्लिका समाचार पोर्टल ने उनके हवाले से कहा, अन्य पार्टियां भी नए नेपाली कांग्रेस-यूएमएल गठबंधन का समर्थन कर रही हैं। इसलिए, नेपाली कांग्रेस सीडब्ल्यूसी ने प्रधानमंत्री से मार्ग प्रशस्त करने का अनुरोध किया है। महत ने कहा कि अगर प्रधानमंत्री नई सरकार के गठन का मार्ग प्रशस्त नहीं करते हैं तो संवैधानिक प्रक्रिया के माध्यम से नई सरकार का गठन किया जाएगा। हालांकि, संकटग्रस्त प्रधानमंत्री प्रचंड ने पद से इस्तीफा देने से इनकार कर दिया है और कहा है कि वह संसद में विश्वास मत का सामना करना चाहेंगे। संवैधानिक प्रावधान के अनुसार, सदन में बहुमत खोने वाले प्रधानमंत्री को 30 दिनों के भीतर बहुमत साबित करना होगा। सत्ताधारी गठबंधन द्वारा समर्थन वापस लेने के बाद प्रधानमंत्री को विश्वास मत हासिल करना होगा।

बोर्नियो और मलेशिया के सबसे ऊंचे पर्वत को फतह करने उतरेंगी लक्ष्मी झा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अफ्रीका के सबसे ऊंचे पर्वत माउंट किलिमंजारो को फतह करने के बाद पर्वतारोही लक्ष्मी झा ने बोर्नियो और मलेशिया के सबसे ऊंचे पर्वत माउंट किनाबालु को फतह करने का लक्ष्य बनाया है। यहां जारी विज्ञप्ति के अनुसार पिछले साल 41 घंटे के सबसे कम समय के साथ माउंट किलिमंजारो पर चढ़ने का महिला विश्व रिकॉर्ड बनाने वाली बिहार की लक्ष्मी माउंट किनाबालु को फतह करने के लिए चार जुलाई को मलेशिया रवाना होंगी। माउंट किनाबालु की समुद्र तल से ऊंचाई 4095 मीटर (13,435 फीट) है और यह दक्षिण पूर्व एशिया की 28वीं सबसे ऊंची चोटी है। सत्ताइस साल की लक्ष्मी 2023 में तुर्किये की सबसे ऊंची चोटी अरारत पर चढ़ने वाली पहली भारतीय पर्वतारोही भी बनीं थीं।

बॉयकॉट दूसरी बार गले के कैंसर का पता चलने के बाद सर्जरी करायेंगे

लंदन/भाषा। इंग्लैंड के महान क्रिकेटर सर ज्योफ्री बॉयकॉट को दूसरी बार गले के कैंसर का पता चला है जिसकी वह सर्जरी करायेंगे। 'द टेलीग्राफ' को 83 वर्षीय खिलाड़ी ने एक बयान में कहा, पिछले कुछ हफ्तों में मेरा एक एमआरआई स्कैन, सीटी स्कैन, एक पीईटी स्कैन और दो बायोप्सी हुई हैं जिसमें पुष्टि हुई है कि मुझे गले का कैंसर है जिसकी सर्जरी की जरूरत होगी। इसमें उन्होंने कहा, ''बीते अनुभव से मुझे महसूस हुआ है कि दूसरी बार कैंसर से निपटने के लिए मुझे बेहतरीन चिकित्सा की जरूरत होगी और अगर भाग्य साथ देगा और सर्जरी सफल रहती है तो हर कैंसर मरीज जानता है कि उन्हें वापसी की उम्मीद में ही जीना होता है।'' इंग्लैंड के इस सलामी बल्लेबाज ने 108 टेस्ट में 8114 रन बनाये हैं, उन्हें पहली बार 2002 में 62 साल की उम्र में कैंसर से पीड़ित पाया गया था। उन्होंने कहा, मैं यह सर्जरी कराऊंगा और बेहतर होने की उम्मीद करता हूं।

ओडिशा में हाथियों के लिए रेस्तरां, खेल के मैदान और स्नान क्षेत्र का प्रबंध

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के वन विभाग ने यहां चंदका वन्यजीव प्रभाग के कुमारखूंटी में स्थित कुमकी हाथी प्रशिक्षण केंद्र में हाथियों के लिए कई सुविधाएं प्रदान की हैं, जिनमें रसोई, रेस्तरां, रैन बसेरा, स्नान क्षेत्र और खेल का मैदान शामिल हैं। इस साल छह मार्च को खोले गए केंद्र में फिलहाल मामा, चंदू, उमा, कार्तिक, मास्टर जागा और शंकर नामक छह हाथी हैं। ओडिशा और असम के 13 महावत इन हाथियों की देखभाल कर रहे हैं। अधिकारियों ने कहा कि अपने झुंड से अलग हुए इन हाथियों को मानव बस्तियों से जंगली झुंडों को दूर भगाकर मानव-हाथी संघर्ष रोकने में सहायता करने के लिए प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

चंदका वन्यजीव प्रभाग के प्रभागीय वनाधिकारी (डीएफओ) शरत चंद्र बहेरा के अनुसार, ये हाथी सिमिलिपाल और कपिलास समेत ओडिशा के विभिन्न वन क्षेत्रों से लाए गए हैं। चंदका वन्यजीव प्रभाग के वन अधिकारी सौम्य रंजन बेउरा ने बताया कि हाथियों के प्रभावी प्रशिक्षण को सुनिश्चित करने के लिए केंद्र ने प्रत्येक हाथी के लिए रेस्तरां समेत कई विशेष सुविधाएं स्थापित की हैं। उन्होंने बताया कि दिन की शुरूआत सैर और हल्के व्यायाम से होती है, जिसके बाद सुबह 8:30 बजे केले, नारियल, गाजर, गन्ना और तरबूज का नाश्ता होता है। उन्होंने कहा कि नाश्ते के बाद हाथी दोपहर के खाने तक प्रशिक्षण गतिविधियों में जुट जाते हैं।

आज टी20 विश्व कप विजेता भारतीय टीम का होगा रोड शो

वानखड़े स्टेडियम में होगा सम्मान समारोह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई। टी20 विश्व कप विजेता भारतीय क्रिकेट टीम को गुरुवार को खुली बस में रोड शो के बाद यहां वानखेड़े स्टेडियम में आयोजित समारोह में सम्मानित किया जायेगा। भारतीय टीम के गुरुवार को सुबह छह बजकर 20 मिनट पर नई दिल्ली पहुंचने की उम्मीद है। भारतीय टीम श्रेणी चार के तूफान के कारण तीन दिन बारबाडोस में फंसे रहने के बाद अंतत: बुधवार को ग्रांटली एडम्स अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से विशेष विमान के जरिए दिल्ली के लिए रवाना हो गई। एयर इंडिया के विशेष विमान एआईसी24डब्ल्यूसी (एयर इंडिया चैंपियंस 24 विश्व कप) ने स्थानीय समयानुसार सुबह लगभग चार बजकर 50 मिनट पर उड़ान भरी और गुरुवार को भारतीय समयानुसार सुबह लगभग छह बजकर 20 मिनट पर दिल्ली पहुंचेगा।

विमान में भारतीय टीम, उसका सहयोगी स्टाफ, खिलाड़ियों के परिवार और कुछ भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अधिकारी तथा भारतीय मीडिया के कुछ सदस्य सवार हैं। इस विशेष उड़ान का इंतजाम बीसीसीआई ने किया है। बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने पीटीआई से कहा, टीम बीसीसीआई द्वारा मुहैया करायी गयी एयर इंडिया के विशेष विमान से बारबाडोस से रवाना हो गयी। बारबाडोस में फंसे भारतीय पत्रकार भी बीसीसीआई अध्यक्ष (रोजर बिन्नी) और सचिव (जय शाह) के साथ इसी फ्लाइट में आ रहे हैं।

उन्होंने कहा, फ्लाइट कल सुबह छह बजे दिल्ली हवाईअड्डे पर उतरेगी। टीम सुबह 11 बजे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से उनके निवास पर मुलाकात करेगी। इसके बाद टीम मुंबई के लिए उड़ान भरेगी जहां उनके सम्मान में एक कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। शुक्ला ने कहा, नरीमन प्वाइंट से खुली बस में रोड शो कराया जायेगा और फिर खिलाड़ियों को घोषित 125 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि से सम्मानित किया जायेगा। बीसीसीआई सचिव शाह ने सभी खेल प्रेमियों का गुरुवार की शाम 'विक्ट्री परेड' (जीत के जश्न में परेड) में जुड़ने का स्वागत किया।

शाह ने 'एक्स' पर लिखा, टीम इंडिया की विश्व कप जीत के जश्न में आयोजित 'विक्ट्री परेड' में हमारे साथ जुड़िये। चार जुलाई को शाम पांच बजे मरीन ड्राइव से वानखेड़े स्टेडियम तक पहुंच कर हमारे साथ जश्न मनाईये। तारीख याद रखिये। इससे पहले भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने भी सोशल मीडिया पर प्रशंसकों का स्वागत किया। उन्होंने कहा, हम इस विशेष पल का आनंद आप सभी के साथ लेना चाहते हैं। चलिये इस जीत का जश्न चार जुलाई को शाम पांच बजे के बाद मरीन ड्राइव और वानखेड़े पर 'विक्ट्री परेड' के साथ मनाते हैं।'' रोहित ने 'एक्स' पर लिखा, घर आ रहे हैं। भारतीय टीम के सदस्यों के लिए वानखेड़े में सम्मान समारोह की भी योजना बनाई गई है।

इसी तरह का रोड शो 14 साल पहले भी कराया गया था जब महेंद्र सिंह धोनी की अगुआई वाली टीम ने 2007 में दक्षिण अफ्रीका में शुरूआती विश्व टी20 के फाइनल में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को हराकर खिताब जीता था। रोहित शर्मा की अगुआई वाली टीम ने शनिवार को हुए 2024 टी20 विश्व कप फाइनल में दक्षिण अफ्रीका पर सात रन की रोमांचक जीत दर्ज कर खिताब जीता था।

RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

कोई साधु अगर कोई गलती करता है तो उसका उपचार मार-पीट, गली-गलौज, हिंसा या समाज में उसकी बदनामी करना कतई नहीं है। वो बदनामी दरअसल गलती करने वाले साधु की नहीं, समग्र समाज की होगी। इसलिए किसी भी साधु वेषधारी के साथ गलत तरीके से पेश आना अपराध की श्रेणी में ही माना जायेगा। सोशल मीडिया पर साधु-संतों की बदनामी से न व्यक्ति बदलेगा और ना ही सामाजिक परिवर्तन होगा।

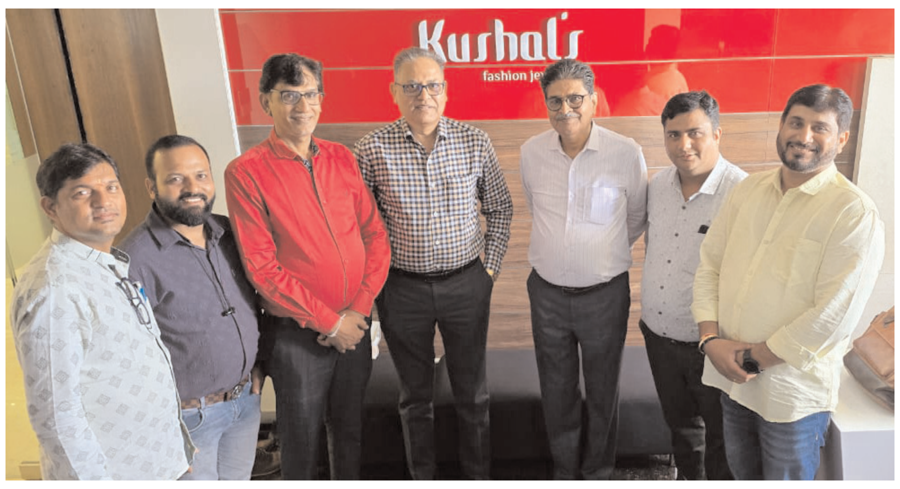

बेंगलूरु एक्स्पो एंड ट्रेड शो की तैयारियां जोरों पर, दिया आमंत्रण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के ब्यावर संघ युवा शाखा द्वारा आगामी शनिवार और रविवार को दो दिवसीय बेंगलूरु एक्स्पो एंड ट्रेड शो का आयोजन वीवी पुरम स्थित महावीर धर्मशाला में किया जा रहा है। अध्यक्ष ललित डाकलिया ने बताया कि इस एक्सपो के लिए लगभग 110 स्टालों की बुकिंग हो चुकी है। एक्सपो के उद्घाटन सत्र में शहर के जाने माने उद्यमी व गणमान्य लोग उपस्थित रहेंगे। इस ट्रेड शो में रेडीमेड कपड़ा, ज्वेलरी, इलेक्ट्रोनिक, ऑटोमोबाइल्स, इलेक्ट्रिक 2 पहिया गाडियां, कॉस्मेटिक्स, रियल एस्टेट, फैशन सामग्री व खाद्य व्यजंनों के स्टॉल लगाए जा रहे हैं।

रविवार को दोपहर के सत्र में इस एक्स्पो के लिए विशेष रुप से आमंत्रित मोटिवेशनल स्पीकर संतोष वडेर 'पारिवारिक व्यवसाय को कैसे आगे बढ़ाया' सहित कैरियर चयन पर अपनी प्रस्तुति देंगे। महामंत्री कुलदीप छाजेड़ ने बताया कि उद्यमियों में इस एक्स्पो के लिए अपार उत्साह है। एक्सपो के मुख्य प्रायोजक माइक्रो लेब्स के दिलीपकुमार आनन्दकुमार सुराणा परिवार,, सह प्रायोजक कुशल्स फैशन ज्वेलरी के तनसुखराज जवेरीलाल गुलेच्छा परिवार व और गिफ्ट प्रायोजक मयन डायमंड्स के रतनचंद श्रीश्रीमाल परिवार हैं। एक्सपो के संयोजक प्रतीक गादिया, अरिहन्त छाजेड़, कुनाल मरलेचा, सुनील भण्डारी, तकनीकी टीम के महावीर गुगलिया, भरत कोठारी, हर्ष कोठारी के साथ युवा शाखा की कार्यकारिणी तैयारियों में जुटी हुई है। बुधवार को युवा शाखा के सदस्यों ने प्रायोजक कुशल्स के प्रमुखजनों को ट्रेड शो के लिए आमंत्रण देकर आमंत्रित किया।

आचार्यश्री महाप्रज्ञ एक महान साधक व प्रयोगधर्मा संत थे : साध्वीश्री उदितयशा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के शांतिनगर स्थित हेरिटेज सिग्नेचर अपार्टमेन्ट में तेरापंथ सभा गांधीनगर के तत्वावधान में साध्वीश्री उदितयशाजी के सान्निध्य में आचार्यश्री महाप्रज्ञजी का 105 वां जन्मोत्सव 'प्रज्ञा दिवस' के रुप में मनाया गया। साध्वीश्री उदितयशाजी ने अपने आराध्य के प्रति श्रद्धा स्वरों की अभिव्यक्ति करते करते हुए कहा कि आचार्यश्री महाप्रज्ञ प्रयोगधर्मा थे। आचार्यश्री का मानना था कि प्रयोग से ही परिष्कार संभव हैं । क्या वो एक जन्म में महाप्रज्ञ बने ,नहीं । वे पिछले जन्म में एक योग साधक थे और हमें भी योग साधना से जोड़ने के लिए ही मानो उन्होंने अवतार लिया । आचार्य महाप्रज्ञजी की प्रज्ञा तो बचपन में ही जाग चुकी थी । उन्होंने ऐसे तीन संकल्प लिए जो उनको महानता के शिखर पर ले गए। हमें भी उनके जन्मोत्सव के मौके पर 'मैं कभी किसी का अनिष्ट नहीं करूंगा, मैं ऐसा कोई काम नहीं करूंगा, जिससे मेरे गुरु नाराज हो जाए', आज के दिन हम ऐसा संकल्प करें भी हम किसी का अनिष्ट नहीं करेंगे तो हमारी प्रज्ञा का जागरण हो सकता है ।

साध्वीश्री भव्ययशाजी ने आचार्यश्री महाप्रज्ञजी को महान फिलोसोफर बताते हुआ हुए उनकी प्रज्ञा जागरण का राज बताया। साध्वीश्री ने छोटे-छोटे प्रयोग कराएं जिनको स्वयं आचार्य श्री महाप्रज्ञजी करते थे। इसलिए वो एक भोले भाले नत्थू से वे महाप्रज्ञ बन गए। मुमुक्षु ऋचा सांखला ने अपने भाव प्रकट किये। महिला मंडल गांधीनगर एव शांति नगर की सदस्याओं ने, सभाध्यक्ष पारसमल भन्साली व युवक परिषद के अध्यक्ष विमल धारीवाल ने अपने आराध्य के प्रति भावाभिव्यक्ति दी। कार्यक्रम का संचालन करते हुए साध्वी संगीतप्रभजी ने आचार्यश्री महाप्रज्ञजी को साधारण परिवेश में जन्मे असाधारण संत बताया। इस मौके पर जीवन विज्ञान के बारे में ललित आच्छा,जितेंद्र घोषल ने अपने विचार रखे। यह जानकारी सभा मंत्री विनोद छाजेड़ ने दी।

बाफना कप विजेता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

इंडोर प्रीमियर लीग बेंगलूरु द्वारा आयोजित बाफ़ना कप-2 पर केसीसी टीम ने अपना कब्जा जमा लिया। समापन के मौके पर मुख्य प्रायोजक सोहनलाल शोभाबाई बाफ़ना परिवार एवं शीर्षक प्रायोजक फ़ूड अड्डा के प्रतिनिधियों सहित आयोजकों ने विजेताओं को ट्रॉफी व पदक भेंट किए।

सहयोग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के मानव सेवा समिति ने डाबसपेट, हेब्बगुड़ी और राजाजीनगर के 72 सरकारी स्कूलों के 5600 से अधिक विद्यार्थियों को नोटबुक, स्टेशनरी और चॉकलेट वितरित किए गए। इस 11वां वार्षिक कार्यक्रम का आयोजन 15 हजार से अधिक नोटबुक, स्टेशनरी आइटम शामिल थे।

गुरु दर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तेरापंथ सभा गांधीनगर के अध्यक्ष पारसमल भंसाली, ट्रस्ट अध्यक्ष प्रकाश बाबेल, उपाध्यक्ष ललित मांडोत, मंत्री विनोद छाजेड़, कोषाध्यक्ष प्रकाश कटरिया, अशोक श्रीश्रीमाल ने सूरत के पास पानवारा में आचार्यश्री महाश्रमणजी के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। भंसाली ने आचार्यश्री को सभा की गतिविधियों व छाजेड़ ने सभा की भावी योजनाओं की जानकारी दी। आचार्यश्री ने नई कमेटी को सबके साथ में मिलकर समन्वय के साथ अच्छा से अच्छा कार्य करने की प्रेरणा दी।

अवैध रूप से लोगों को कंबोडिया भेजने के आरोप में दो ट्रैवल एजेंट गिरफ्तार

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब पुलिस की साइबर अपराध शाखा ने राज्य से लोगों को अवैध रूप से कंबोडिया और अन्य दक्षिण पूर्व एशियाई देशों में भेजने के आरोप में दो ट्रैवल एजेंट को गिरफ्तार किया है। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने बुधवार को यह जानकारी दी। डीजीपी ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मोहाली से संचालित 'वीजा पैलेस इमिग्रेशन' के मालिक अमरजीत सिंह और उसके साथी गुरजोध सिंह के रूप में हुई है। गिरफ्तार किए गए ट्रैवल एजेंट पंजाब से भोले-भाले लोगों को 'डेटा एंट्री ऑपरेटर' के रूप में आकर्षक वेतन वाली नौकरी दिलाने का वादा करके कंबोडिया भेज रहे थे।

कॉलेज प्रांगण में लगाए गए 100 पौधे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के काडुगोड़ी पॉलिटेक्निक एंड डिग्री कॉलेज में बेंगलूरु सांस्कृतिक संघ, माय होम इंडिया और विजय संभव फाउंडेशन के सदस्यों ने संयुक्त तत्वावधान में वृक्षारोपण किया गया। कॉलेज प्रांगण में 100 पेड़ लगाए गए। इस मौके पर सांस्कृतिक संघ के सुमंत्रा, माय इंडिया के मनोज दुबे और फाउंडेशन के रवि राजहंस ने उपस्थित जनों के साथ मिलकर पौधे लगाए। प्रतिभागियों ने पौधों की स्वस्थ वृद्धि सुनिश्चित करने के लिए उचित पौधारोपण तकनीकों को सीखा।

माउंट कार्मेल कॉलेज की नई विद्यार्थी परिषद ने ली शपथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। माउंट कार्मेल कॉलेज में वर्ष 2024-25 के लिए नए विद्यार्थी प्रतिनिधि परिषद का उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में कॉलेज के वेलफेयर अधिकारियों, विद्यार्थी परिषद के प्रतिनिधियों और 65 एसोसिएशन के सचिवों को पद की शपथ दिलाई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ पद्मिनी राम उपस्थित थीं। अतिथि पद्मिनी राम ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि नेतृत्व का मतलब सर्वश्रेष्ठ होना नहीं है अपितु यह दूसरों में सर्वश्रेष्ठ लाने के बारे में है। विद्यार्थी भविष्य के नेता हैं। कॉलेज के मूल्यों और सिद्धांतों को बनाए रखने की जिम्मेदारी छात्रों की है, उन्होंने नवोन्वेषी और परिवर्तनकारी रास्ते पर चलने की आवश्यकता पर बल दिया।

कॉलेज निदेशक सिस्टर अल्बिना, स्थानीय प्रबंधक सिस्टर अपर्णा, प्राचार्य डॉ. जॉर्ज लेखा, अंडरग्रेजुएट कॉलेज की प्रिंसिपल श्रीमती बबीता सलडाना आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम में कॉलेज के चांसलर, सभी संस्थानों के प्रमुख, विभागाध्यक्ष, व्याख्याता, कर्मचारी और छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

रक्तदान शिविर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के सेवा ब्रिगेड फाउंडेशन ने मीशो और मणिपाल अस्पताल व्हाइटफील्ड के सहयोग से रक्तदान शिविर का आयोजन कडुबीसनहल्ली स्थित मीशो हेलियोस बिजनेस पार्क में किया जिसमें 40 लोगों ने रक्तदान किया। इस मौके पर फाउंडेशन के सीईओ बिकाशकुमार, निदेशक एवं संस्थापक प्रवीण कुमार पांडेय आदि अन्य सदस्य उपस्थित थे।

साधुओं की सुरक्षा में है धर्म और समाज की रक्षा : आचार्य विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। बुधवार को पार्श्व वाटिका के प्रांगण में विशाल धर्मसभा को संबोधित करते हुए आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि साधु-संतों की सेवा और सुरक्षा हकीकत में धर्म और संस्कृति की रक्षा है। हर काल में साधु-संतों ने प्राणों के बलिदान देकर भी धर्म व संस्कृति को बचाया है, इसीलिए साधु-संतों को बचाना, संभालना और आगे बढ़ाना हर समझदार गृहस्थ श्रावक का पहला कर्तव्य है। धर्मशास्त्रों का यही उपदेश है। पूरा भारतीय इतिहास साधु-संतों के उपकारों से भरा है।

जैनाचार्य ने आगे कहा कि कोई साधु अगर कोई गलती करता है तो उसका उपचार मार-पीट, गली-गलौज, हिंसा या समाज में उसकी बदनामी करना कतई नहीं है। वो बदनामी दरअसल गलती करने वाले साधु की नहीं, समग्र समाज की होगी। इसलिए किसी भी साधु वेषधारी के साथ गलत तरीके से पेश आना अपराध की श्रेणी में ही माना जायेगा। सोशल मीडिया पर साधु-संतों की बदनामी से न व्यक्ति बदलेगा और ना ही सामाजिक परिवर्तन होगा। ऐसे तरीकों से समाज का भारी अधोपतन होगा। धर्मशास्त्रों ने साधुओं की भूलों-गलतियों के सुधार, उपचार, सबक और निराकरण के लिये अनेक उपाय बताये हैं। श्रद्धाभ्रष्ट और बुद्धिभ्रष्ट लोगों के उपाय व सबक धर्मक्षेत्र में मान्य नहीं है। कोई भी बड़े साधु-संत गलत तरीकों का हरगिज समर्थन नहीं करेंगे। गृहस्थ श्रावक का पहला कर्तव्य है कि वह सबसे पहले धर्म को समझें, धार्मिक बनें, धर्म को पचायें, फिर साधु-संतों और सामाजिक व्यवस्थाओं को सुधारने के लिए आगे आयें। इसके लिए जरूरी है कि गृहस्थ श्रावक पहले गीतार्थ बड़े आचार्यों के पास थोड़ा शास्त्रों का अभ्यास करें। परिपक्व बनें।

धर्मसभा में चेन्नई वेपेरी संघ के उपाध्यक्ष चंपालाल रांका, जीतो के अध्यक्ष कांतिलाल चौहान, पार्श्व वाटिका के अध्यक्ष भंवरलाल दांतेवाडिया, जसवंतभाई, आदीश्वर वाटिका के अध्यक्ष रमेश श्रीश्रीमाल, जैन चेरिटेबल ट्रस्ट और कल्याणमित्र वर्षावास समिति के अशोक दांतेवाड़िया, भंवरलाल लुंकड़, वसंत राठौड़, जीतू लुंकड़, भोजराज जैन, गौतम सालेचा, पार्श्व पद्मावती ट्रस्ट के दलीचंद जैन आदि अनेक गणमान्य लोगों के साथ भारी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

मुलाकात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु साउथ इंडिया गारमेन्ट एसोसिएशन (सिगा) के अध्यक्ष अनुराग सिंघला व उनकी टीम ने नई दिल्ली में इकोनॉमी मामलात सचिव तथा जीएसटी कानून व नियम वित्त मंत्रालय के प्रधान आयुक्त संजय मंगल से मुलाकात कर जीएसटी नियमों विशेषकर नियम 43-बी पर चर्चा की तथा जानकारी प्राप्त की।

Printed & Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com